मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर

संस्कृत विभाग

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम सेमेस्टर प्रणाली (CBCS)
एम.ए. संस्कृत तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर
(राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के अनुसार)

विषय - संस्कृत

संकाय - मानविकी

2023-24 से प्रभावी

Level	Sem	Course Type	Course Code	Course Title	Delivery Type			Total Hours	Credit	Internal Assessment	EoS Exam	M. M.	Remarks
					Lecture	Tutorial	Practical						
8	I	DCC	SAN8000T	वैदिक साहित्य	L	T	-	60	4	20	80	100	
			SAN8001T	सांख्यदर्शन	L	T	-	60	4	20	80	100	
			SAN8002T	व्याकरण एवं अनुवाद	L	T	-	60	4	20	80	100	
			SAN8003T	काव्यशास्त्र एवं अलंकार	L	T	-	60	4	20	80	100	
			SAN8004T	रूपक साहित्य	L	T	-	60	4	20	80	100	
			SAN8005T	स्मृति साहित्य	L	T	-	60	4	20	80	100	
	II	DCC	SAN8006T	उपनिषद् साहित्य	L	T	-	60	4	20	80	100	
			SAN8007T	वेदान्त दर्शन	L	T	-	60	4	20	80	100	
			SAN8008T	व्याकरण एवं भाषाविज्ञान	L	T	-	60	4	20	80	100	
			SAN8009T	व्याकरण दर्शन	L	T	-	60	4	20	80	100	
			SAN8010T	महाकाव्य एवं संस्कृत साहित्य का इतिहास	L	T	-	60	4	20	80	100	

		GEC	SAN8100T	0. प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं पुराणेतिहास	L	T	-	60	4	20	80	100	
			SAN8101T	1.श्रीमद्भगवद्गीता, नीतिकाव्य एवं अनुवाद	L	T	-	60	4	20	80	100	
9	III	DCC	SAN9011T	तर्कभाषा	L	T	-	60	4	20	80	100	
			SAN9012T	व्याकरण एवं निबन्ध	L	T	-	60	4	20	80	100	
		DSE-I	SAN9102T	2.काव्यशास्त्र एवं सम्प्रदाय	L	T	-	60	4	20	80	100	
			SAN9103T	3. भारतीय दर्शन	L	T	-	60	4	20	80	100	
		DSE-II	SAN9104T	4.नाटक एवं नाट्यशास्त्र	L	T	-	60	4	20	80	100	
			SAN9105T	5. योग दर्शन	L	T	-	60	4	20	80	100	

		DSE-III	SAN9106T	6. दशरूपक एवं नाटक	L	T	-	60	4	20	80	100	
			SAN9107T	7. न्याय दर्शन	L	T	-	60	4	20	80	100	
		GEC	SAN9108T	8. प्राचीन भारतीय राजनीतिशास्त्र	L	T	-	60	4	20	80	100	
			SAN9109T	9. पाण्डुलिपि विज्ञान एवं अभिलेखशास्त्र	L	T	-	60	4	20	80	100	
	IV	DCC	SAN9013T	वेदांग साहित्य	L	T	-	60	4	20	80	100	
		DSE-IV	SAN9110T	10. साहित्यशास्त्र	L	T	-	60	4	20	80	100	
			SAN9111T	11. उपनिषद् दर्शन	L	T	-	60	4	20	80	100	
		DSE-V	SAN9112T	12. काव्यशास्त्र एवं गद्यकाव्य	L	T	-	60	4	20	80	100	
			SAN9113T	13. मीमांसा दर्शन	L	T	-	60	4	20	80	100	

		DSE-VI	SAN9114T	14. नाट्यशास्त्र एवं नाटक	L	T	-	60	4	20	80	100	
			SAN9115T	15. अद्वैत वेदान्त दर्शन	L	T	-	60	4	20	80	100	
		DSE-VII	SAN9116T	16. दशरूपक एवं नाटिका	L	T	-	60	4	20	80	100	
			SAN9117T	17. बौद्ध दर्शन	L	T	-	60	4	20	80	100	
		DSE-VII I	SAN9118T	18. काव्यशास्त्र एवं महाकाव्य	L	T	-	60	4	20	80	100	
			SAN9119T	19. जैन दर्शन	L	T	-	60	4	20	80	100	

एम.ए.संस्कृत प्रथम सेमेस्टर	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SAN8000T
पाठ्यक्रम क्रमांक	I
पाठ्यक्रम का नाम	वैदिक साहित्य
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 6.0
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	4
पाठ्यक्रम का प्रकार	डी.सी.सी. (Discipline Centric Core Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	40 व्याख्यान, 10 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 10 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व-योग्यता	स्नातक उत्तीर्ण
पाठ्यक्रम उद्देश्य	वैदिक साहित्य के इतिहास ज्ञानसहित कतिपय संहिता सूक्तों के अध्ययन में निपुणता |
पाठ्यक्रम अधिगम के परिणाम	1. विद्यार्थी प्राचीन वैदिक संहिताओं के कतिपय सूक्तों एवं वैदिक साहित्य के इतिहास का अनुशीलन कर सकेंगे। 2. विद्यार्थियों में प्राचीन वैदिक संस्कृति एवं सदाचार की समझ विकसित होगी। 3. विद्यार्थी ज्ञान-विज्ञान के प्राचीन स्रोतों की तरफ उन्मुख हो सकेंगे। 4. विद्यार्थियों में वैदिक संस्कृत भाषा की समझ विकसित होगी।
पाठ्यक्रम	1. ऋग्वेदीय, शुक्लयजुर्वेदीय एवं अथर्ववेदीय सूक्त (कुछ चुने हुए सूक्त मात्र) 2. वैदिक साहित्य का सामान्य इतिहास

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	
प्रथम इकाई	ऋग्वेद संहिता से निम्नलिखित संवाद सूक्त- पुरुरवा उर्वशी (10.95), सरमा-पणि (10.108), विश्वामित्र नदी (3.33) (12 घण्टे)
द्वितीय इकाई	ऋग्वेद संहिता के निम्नलिखित सूक्त- वरुण (1.25), सूर्य (1.115), उषस् (3.61), पर्जन्य (5.83) (12 घण्टे)
तृतीय इकाई	ऋग्वेद संहिता के निम्नलिखित सूक्त - अक्ष (10.34), ज्ञान (10.71), पुरुष (10.90), नासदीय (10.129) (12 घण्टे)
चतुर्थ इकाई	शुक्लयजुर्वेद संहिता के निम्नलिखित सूक्त - शिवसंकल्प, अध्याय-34 (1-6), प्रजापति, अध्याय 23 (1-5) तथा अथर्ववेद संहिता के निम्नलिखित सूक्त - राष्ट्राभिवर्धनम् (1.29), काल (19.53) (12 घण्टे)
पंचम इकाई	वैदिक साहित्य का सामान्य इतिहास के अन्तर्गत निम्नलिखित बिन्दु निर्धारित हैं- वेदों का काल (मैक्समूलर, ए.वेबर, जैकोबी, बालगंगाधर तिलक, एम. विन्टरनिज तथा भारतीय परम्परागत विचार), संहिता साहित्य, ब्राह्मण साहित्य, आरण्यक साहित्य एवं वेदांग साहित्य (12 घण्टे)
पाठ्यपुस्तकें	1. बृहद् ऋक्सूक्तसंग्रह, देवेन्द्रनाथ पाण्डेय, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर 2. वैदिक सूक्त संग्रह, गीताप्रेस, गोरखपुर 3. ऋग्वेद, संस्कृत साहित्य प्रकाशन, दिल्ली 4. यजुर्वेद संहिता, श्रीराम शर्मा आचार्य, युग निर्माण योजना प्रेस, मथुरा 5. अथर्ववेद संहिता, श्रीराम शर्मा आचार्य, युग निर्माण योजना प्रेस, मथुरा 6. अथर्ववेद, संस्कृत साहित्य प्रकाशन, दिल्ली
सन्दर्भपुस्तकें	1. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी 2. संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखंबा भारती अकादमी, वाराणसी

	3. वैदिक साहित्य और संस्कृति, बलदेव उपाध्याय 4. वैदिक साहित्य का इतिहास, कुंवरलाल जैन, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली 5. पुरुषसूक्त : एक विवेचन, समी शर्मा, हंसा प्रकाशन, जयपुर
ई संसाधन	epustakalay.com

एम.ए. संस्कृत प्रथम सेमेस्टर	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SAN8001T
पाठ्यक्रम क्रमांक	II
पाठ्यक्रम का नाम	सांख्यदर्शन
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 6.0
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	4
पाठ्यक्रम का प्रकार	डी.सी.सी. (Discipline Centric Core Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	40 व्याख्यान, 10 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 10 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व-योग्यता	स्नातक उत्तीर्ण
उद्देश्य	भारतीय दर्शन शास्त्र की सांख्य दर्शन परंपरा का परिचय एवं प्रमुख ग्रन्थ सांख्यकारिका का अधिगम।
पाठ्यक्रम अधिगम के परिणाम	1. विद्यार्थी सांख्य दर्शन के सार तत्त्व को समझ सकेंगे। 2. विद्यार्थियों की योगादि अन्य भारतीय दर्शनों की तरफ प्रवृत्ति हो सकेगी। 3. विद्यार्थियों में दर्शन विषय की ओर रुचि उत्पन्न होगी व जीवन में दार्शनिकता का प्रभाव हो सकेगा।
पाठ्यक्रम	ईश्वरकृष्णकृत सांख्यकारिका
पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	
प्रथम इकाई	सांख्यकारिका की 1 से 16 कारिकाएँ (12 घण्टे)

द्वितीय इकाई	सांख्यकारिका की 17 से 35 कारिकाएँ (12 घण्टे)
तृतीय इकाई	सांख्यकारिका की 36 से 54 कारिकाएँ (12 घण्टे)
चतुर्थ इकाई	सांख्यकारिका की 55 से 72 कारिकाएँ (12 घण्टे)
पंचम इकाई	ईश्वरकृष्ण का व्यक्तित्व एवं कृतित्व, सांख्यदर्शन के इतिहास का सामान्य परिचय, सांख्यदर्शन का प्रतिपाद्य एवं महत्त्व (12 घण्टे)
पाठ्यपुस्तकें	1. सांख्यकारिका - व्या. विमला कर्णाटक, चौखंबा पब्लिशर्स, वाराणसी 2. सांख्यकारिका - व्या. देवेंद्र नाथ पांडेय, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर 3. सांख्यकारिका - व्या. ज्वाला प्रसाद गौड, चौखंबा विद्याभवन, वाराणसी
सन्दर्भपुस्तकें	1. भारतीय दर्शन - जगदीश चंद्र मिश्र, चौखंबा विद्याभवन, वाराणसी 2. सांख्य दर्शन का इतिहास, उदयवीर शास्त्री 3. सांख्यदर्शनम्, गजानन शास्त्री मुसलगांवकर, चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
ई संसाधन	epustakalay.com

एम.ए. संस्कृत प्रथम सेमेस्टर	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SAN8002T
पाठ्यक्रम क्रमांक	III
पाठ्यक्रम का नाम	व्याकरण एवं अनुवाद
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 6.0
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	4
पाठ्यक्रम का प्रकार	डी.सी.सी. (Discipline Centric Core Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	40 व्याख्यान, 10 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 10 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व-योग्यता	स्नातक उत्तीर्ण
पाठ्यक्रम उद्देश्य	संस्कृत की व्याकरणशास्त्रपरंपरा में कारक प्रकरण के अधिगम के साथ संस्कृत अनुवाद में दक्षता प्राप्त करना।
पाठ्यक्रम अधिगम के परिणाम	1. विद्यार्थी कारक प्रकरण के सूत्रों के ज्ञान के माध्यम से संस्कृत वाक्य निर्माण कर सकेंगे। 2. विद्यार्थी हिंदी से संस्कृत एवं संस्कृत से हिन्दी अनुवाद करने में समर्थ होंगे। 3. विद्यार्थियों की संस्कृत व्याकरण की ओर प्रवृत्ति एवं समझ विकसित हो सकेगी।
पाठ्यक्रम	1. कारक प्रकरण (वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी का) 2. वाच्यपरिवर्तन (कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य एवं भाववाच्य) 3. अनुवाद (हिन्दी से संस्कृत में)
पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	
प्रथम इकाई	वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी कारक प्रकरण - प्रथमा विभक्ति से द्वितीया विभक्ति पर्यन्त (12 घण्टे)

द्वितीय इकाई	वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी कारक प्रकरण - तृतीया विभक्ति से चतुर्थी विभक्ति पर्यन्त (12 घण्टे)
तृतीय इकाई	वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी कारक प्रकरण - पंचमी विभक्ति से सप्तमी विभक्ति पर्यन्त (12 घण्टे)
चतुर्थ इकाई	सरल संस्कृत वाक्यों का वाच्यपरिवर्तन (कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य एवं भाववाच्य) (12 घण्टे)
पंचम इकाई	हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद (12 घण्टे)
पाठ्यपुस्तकें	1. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण), व्याख्याकार उमेशचन्द्र पाण्डेय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी 2. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण), व्याख्याकार अर्कनाथ चौधरी, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर 3. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण), व्याख्याकार - गोविंद प्रसाद शर्मा, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
सन्दर्भपुस्तकें	1. लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या - पंचम भाग), भीमसेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन, दिल्ली 2. संस्कृत व्याकरण निकर, उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखम्बा क्लासिकल, वाराणसी 3. अनुवाद चंद्रिका - ब्रह्मानंद त्रिपाठी, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी 4. प्रौढ़ रचनानुवादकौमुदी, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी 5. रचनानुवादकौमुदी, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी 6. वृहदनुवाद चन्द्रिका - चक्रधर नौटियाल हंस
ई संसाधन	epustakalay.com

एम.ए. संस्कृत प्रथम सेमेस्टर	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SAN8003T
पाठ्यक्रम क्रमांक	IV
पाठ्यक्रम का नाम	काव्यशास्त्र एवं अलंकार
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 6.0
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	4
पाठ्यक्रम का प्रकार	डी.सी.सी. (Discipline Centric Core Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	40 व्याख्यान, 10 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 10 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व-योग्यता	स्नातक उत्तीर्ण
पाठ्यक्रम उद्देश्य	संस्कृत काव्यशास्त्र परंपरा के प्रमुख ग्रंथ साहित्यदर्पण एवं काव्यप्रकाश के कतिपय अंशों का अधिगम।
पाठ्यक्रम अधिगम के परिणाम	1. विद्यार्थी काव्य की परिभाषा, प्रयोजन, शब्दशक्तियों एवं अलंकारों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। 2. विद्यार्थियों में काव्यशास्त्र की उपयोगिता की समझ विकसित होगी। 3. कवित्व प्रतिभा वाले विद्यार्थियों के काव्यकौशल में वृद्धि होगी। 4. विद्यार्थियों की अन्य काव्यशास्त्रीय ग्रन्थों की ओर प्रवृत्ति हो सकेगी।
पाठ्यक्रम	1. आचार्य विश्वनाथ विरचित साहित्यदर्पण - प्रथम एवं द्वितीय परिच्छेद 2. आचार्य मम्मट विरचित काव्यप्रकाश - नवम एवं दशम उल्लास के कतिपय प्रमुख अलंकार

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	
प्रथम इकाई	साहित्यदर्पण - प्रथम परिच्छेद (12 घण्टे)
द्वितीय इकाई	साहित्यदर्पण - द्वितीय परिच्छेद के प्रारम्भ से लक्षणा शब्दशक्ति तक (12 घण्टे)
तृतीय इकाई	साहित्यदर्पण - द्वितीय परिच्छेद में व्यञ्जना शब्दशक्ति से द्वितीय परिच्छेद की समाप्ति तक (12 घण्टे)
चतुर्थ इकाई	काव्यप्रकाश के निम्नलिखित अलङ्कारों का लक्षण एवं उदाहरण सहित अध्ययन - वक्रोक्ति, अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, समासोक्ति एवं अपह्नुति (12 घण्टे)
पंचम इकाई	काव्यप्रकाश के निम्नलिखित अलङ्कारों का लक्षण एवं उदाहरण सहित अध्ययन - निदर्शना, अर्थान्तरन्यास, दृष्टान्त, विभावना, विशेषोक्ति, स्वभावोक्ति, विरोधाभास, संकर एवं संसृष्टि (12 घण्टे)
पाठ्यपुस्तकें	1. साहित्यदर्पण, व्याख्याकार शेषराजशर्मा रेग्मी, चौखम्बा कृष्णदास अकादमी, वाराणसी 2. साहित्यदर्पण (1,2,3,6 परिच्छेद), व्याख्याकार भवानीशंकर शर्मा, हंसा प्रकाशन, जयपुर 3. साहित्यदर्पण, व्याख्याकार सत्यव्रत सिंह, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी 4. काव्यप्रकाश, व्याख्याकार विश्वेश्वर, ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी 5. काव्यप्रकाश, व्याख्याकार श्रीनिवास शास्त्री, भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी
सन्दर्भपुस्तकें	1. संस्कृत काव्यशास्त्र एव काव्यांग, प्रीतिप्रभा गोयल, अरिहन्त प्रकाशन, जोधपुर 2. साहित्यदर्पण परिशीलन, त्रिभुवन मिश्र, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी

	3. संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास, सुशील कुमार डे, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना
ई संसाधन	epustakalay.com

एम.ए. संस्कृत प्रथम सेमेस्टर	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SAN8004T
पाठ्यक्रम क्रमांक	V
पाठ्यक्रम का नाम	रूपक साहित्य
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 6.0
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	4
पाठ्यक्रम का प्रकार	डी.सी.सी. (Discipline Centric Core Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	40 व्याख्यान, 10 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 10 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व-योग्यता	स्नातक उत्तीर्ण
पाठ्यक्रम उद्देश्य	संस्कृत रूपक साहित्य के प्रसिद्ध ग्रन्थ मृच्छकटिकम् का अधिगम।
पाठ्यक्रम अधिगम के परिणाम	1. विद्यार्थी महाकवि शूद्रक की नाट्यकला से परिचित हो सकेंगे। 2. विद्यार्थी मृच्छकटिककालीन समाज और संस्कृति का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। 3. विद्यार्थियों की अन्य संस्कृत रूपक साहित्य की ओर प्रवृत्ति हो सकेगी। 4. विद्यार्थियों का संस्कृत भाषा का प्रायोगिक एवं व्यावहारिक पक्ष मजबूत हो सकेगा।
पाठ्यक्रम	1. महाकवि शूद्रक विरचित मृच्छकटिकम्
पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	
प्रथम इकाई	मृच्छकटिकम् - प्रथम एवं द्वितीय अंक (12 घण्टे)

द्वितीय इकाई	मृच्छकटिकम् - तृतीय, चतुर्थ एवं पंचम अंक (12 घण्टे)
तृतीय इकाई	मृच्छकटिकम् - षष्ठ, सप्तम एवं अष्टम अंक (12 घण्टे)
चतुर्थ इकाई	मृच्छकटिकम् - नवम एवं दशम अंक (12 घण्टे)
पंचम इकाई	महाकवि शूद्रक का व्यक्तित्व एवं कृतित्व, महाकवि शूद्रक की नाट्यकला, मृच्छकटिकम् के पात्रों का परिचय एवं चरित्रचित्रण, मृच्छकटिकम् में प्रतिबिम्बित समाज तथा संस्कृति (12 घण्टे)
पाठ्यपुस्तकें	1. मृच्छकटिकम्, व्याख्याकार जयशंकर लाल त्रिपाठी, चौखंबा कृष्णदास अकादमी, वाराणसी 2. मृच्छकटिकम्, व्याख्याकार जगदीश चन्द्र मिश्र, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी 3. मृच्छकटिकम्, व्याख्याकार शिवबालक द्विवेदी, हंसा प्रकाशन, जयपुर 4. संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखंबा भारती अकादमी, वाराणसी
सन्दर्भपुस्तकें	1. संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखंबा भारती अकादमी, वाराणसी 2. मृच्छकटिकम् के शास्त्रीय सन्दर्भ, आरुणेय मिश्र, अक्षय वट प्रकाशन, इलाहाबाद 3. मृच्छकटिकम् का भाव सौन्दर्य, वेदप्रकाश उपाध्याय, अनुराग प्रकाशन, वाराणसी
ई संसाधन	epustakalay.com

एम.ए. संस्कृत प्रथम सेमेस्टर	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SAN8005T
पाठ्यक्रम क्रमांक	VI
पाठ्यक्रम का नाम	स्मृति साहित्य
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 6.0
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	4
पाठ्यक्रम का प्रकार	डी.सी.सी. (Discipline Centric Core Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	40 व्याख्यान, 10 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 10 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व-योग्यता	स्नातक उत्तीर्ण
पाठ्यक्रम उद्देश्य	संस्कृत स्मृति साहित्य की प्रमुख स्मृतियों के अन्तर्गत मनुस्मृति एवं याज्ञवल्क्य स्मृति के कतिपय अध्यायों का अधिगम।
पाठ्यक्रम अधिगम के परिणाम	1. विद्यार्थी धर्मशास्त्रीय ग्रन्थों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। 2. विद्यार्थियों को प्राचीन न्याय व्यवस्था का ज्ञान प्राप्त हो सकेगा। 3. विद्यार्थी प्राचीन भारतीय संस्कृति को समझने में समर्थ हो सकेंगे।
पाठ्यक्रम	1. मनुस्मृति - प्रथम एवं द्वितीय अध्याय 2. याज्ञवल्क्यस्मृति - व्यवहाराध्याय का साधारणव्यवहारमातृका प्रकरण, असाधारणव्यवहारमातृका प्रकरण, ऋणादानप्रकरण, उपनिधिप्रकरण एवं साक्षिप्रकरण
पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	

प्रथम इकाई	मनुस्मृति - प्रथम अध्याय (12 घण्टे)
द्वितीय इकाई	मनुस्मृति - द्वितीय अध्याय (1 से 119 श्लोक तक) (12 घण्टे)
तृतीय इकाई	मनुस्मृति - द्वितीय अध्याय (120 से अध्याय समाप्ति तक) (12 घण्टे)
चतुर्थ इकाई	याज्ञवल्क्यस्मृति - व्यवहाराध्याय का साधारणव्यवहारमातृका प्रकरण एवं असाधारणव्यवहारमातृका प्रकरण (12 घण्टे)
पंचम इकाई	याज्ञवल्क्यस्मृति - व्यवहाराध्याय का ऋणादानप्रकरण, उपनिधिप्रकरण एवं साक्षिप्रकरण (12 घण्टे)
पाठ्यपुस्तकें	1. मनुस्मृति, टीकाकार हरगोविन्द शास्त्री, चौखंबा संस्कृत सीरीज ऑफिस, वाराणसी 2. मनुस्मृति (प्रथम एवं द्वितीय अध्याय), व्याख्याकार कमलनयन शर्मा, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर 3. मनुस्मृति, जनार्दन शास्त्री पाण्डेय, मोतीलाल बनारसीदास प्रकाशन, वाराणसी 4. याज्ञवल्क्यस्मृति (व्यवहाराध्याय), व्याख्याकार कमलनयन शर्मा, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर 5. याज्ञवल्क्यस्मृति, व्याख्याकार उमेश चंद्र पांडेय, चौखंबा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
ई संसाधन	epustakalay.com

एम.ए. संस्कृत द्वितीय सेमेस्टर	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SAN8006T
पाठ्यक्रम क्रमांक	I
पाठ्यक्रम का नाम	उपनिषद् साहित्य
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 6.0
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	4
पाठ्यक्रम का प्रकार	डी.सी.सी. (Discipline Centric Core Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	40 व्याख्यान, 10 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 10 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व-योग्यता	स्नातक उत्तीर्ण
पाठ्यक्रम उद्देश्य	वैदिक उपनिषद् साहित्य की प्रमुख उपनिषदों के अन्तर्गत ईश, केन एवं तैत्तिरीय उपनिषद् का अधिगम।
पाठ्यक्रम अधिगम के परिणाम	1. विद्यार्थी वैदिक उपनिषद् साहित्य की प्रमुख उपनिषदों के अन्तर्गत ईश, केन एवं तैत्तिरीय उपनिषद् का अधिगम कर सकेंगे। 2. विद्यार्थी वैदिक साहित्य के मर्म विषय उपनिषदों को समझ सकेंगे। 3. विद्यार्थियों की पाठ्यक्रमेतर उपनिषदों के अध्ययन की ओर प्रवृत्ति हो सकेगी। 4. विद्यार्थियों में नैतिक गुणों का विकास होगा।
पाठ्यक्रम	1. ईशावास्योपनिषद् (शुक्लयजुर्वेदीय काण्वशाखीय) 2. केनोपनिषद् 3. तैत्तिरीयोपनिषद् - शीक्षावल्ली
पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	

प्रथम इकाई	ईशावास्योपनिषद् (सम्पूर्ण) (12 घण्टे)
द्वितीय इकाई	केनोपनिषद् - प्रथम एवं द्वितीय खण्ड (12 घण्टे)
तृतीय इकाई	केनोपनिषद् - तृतीय एवं चतुर्थ खण्ड (12 घण्टे)
चतुर्थ इकाई	तैत्तिरीयोपनिषद् - शीक्षावल्ली - प्रथम अनुवाक से षष्ठ अनुवाक तक (12 घण्टे)
पंचम इकाई	तैत्तिरीयोपनिषद् - शीक्षावल्ली - सप्तम अनुवाक से द्वादश अनुवाक तक (12 घण्टे)
पाठ्यपुस्तकें	1. ईशादि नौ उपनिषद्, गीताप्रेस, गोरखपुर 2. तैत्तिरीयोपनिषद्, गीताप्रेस, गोरखपुर 3. केनोपनिषद्, जगन्नाथ शास्त्री तैलंग, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली 4. ईशोपनिषद्, परमहंस हरिहरानंद, प्राज्ञ पब्लिकेशन, कोलकाता 5. ईशावास्योपनिषद्, हरस्वरूप वशिष्ठ, हंसा प्रकाशन, जयपुर
सन्दर्भ पुस्तकें	1. उपनिषदों के निर्वचन, वेदवती वैदिक, नाग पब्लिशर्स 2. उपनिषद् योग तत्त्व दर्शन, विनय कुमार शर्मा, भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी
ई संसाधन	epustakalay.com

एम.ए. संस्कृत द्वितीय सेमेस्टर	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SAN8007T
पाठ्यक्रम क्रमांक	II
पाठ्यक्रम का नाम	वेदान्त दर्शन
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 6.0
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	4
पाठ्यक्रम का प्रकार	डी.सी.सी. (Discipline Centric Core Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	40 व्याख्यान, 10 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 10 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व-योग्यता	स्नातक उत्तीर्ण
पाठ्यक्रम उद्देश्य	भारतीय दर्शनशास्त्र की वेदान्त दर्शन परंपरा का परिचय एवं प्रमुख ग्रन्थ वेदान्तसार का अधिगम |
पाठ्यक्रम अधिगम के परिणाम	1. विद्यार्थी भारतीय दर्शन शास्त्र की वेदान्त दर्शन परंपरा का परिचय प्राप्त कर सकेंगे। 2. विद्यार्थी वेदान्त दर्शन के सारभूत ग्रन्थ वेदान्तसार का अधिगम कर सकेंगे। 3. विद्यार्थियों के जीवन में वेदांत दर्शन का प्रभाव हो सकेगा। 4. विद्यार्थियों की अन्य वेदांत ग्रन्थों को पढ़ने की ओर प्रवृत्ति हो सकेगी।
पाठ्यक्रम	सदानन्द कृत वेदान्तसार
पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	
प्रथम इकाई	"अखण्डं सच्चिदानन्दं" से "विविक्तं सल्लक्ष्यमितिचोच्यते" तक। (12 घण्टे)

द्वितीय इकाई	"अस्याज्ञानस्यावरणविक्षेपनामकं शक्तिद्वयम्" से लेकर "एवमध्यारोपः" तक। (12 घण्टे)
तृतीय इकाई	"अपवादो नाम रज्जुविवर्तस्य" से "स्वप्रभया तदपि भासयतीति" तक। (12 घण्टे)
चतुर्थ इकाई	"एवंभूतस्वरूपचैतन्यसाक्षात्कारपर्यन्तं" से अन्त तक। (12 घण्टे)
पंचम इकाई	सदानन्द का व्यक्तित्व एवं कृतित्व, वेदान्त दर्शन का इतिहास तथा सामान्य परिचय एवं महत्त्व। (12 घण्टे)
पाठ्यपुस्तकें	1. वेदान्तसार, व्याख्याकार बद्रीनाथ शुक्ल, मोतीलाल बनारसीदास प्रकाशन, वाराणसी 2. वेदान्तसार, व्याख्याकार लम्बोदर मिश्र, हंसा प्रकाशन, जयपुर 3. वेदान्तसार, व्याख्याकार रमाशंकर त्रिपाठी, चौखंभा ओरियंटालिया, दिल्ली 4. वेदान्तसार, व्याख्याकार रामशरण त्रिपाठी, चौखंबा विद्याभवन, वाराणसी 5. वेदान्तसार, व्याख्याकार गजानन शास्त्री मुसलगांवकर, चौखंबा कृष्णदास अकादमी, वाराणसी
सन्दर्भ पुस्तकें	1. भारतीय दर्शन, जगदीश चंद्र मिश्र, चौखंबा विद्याभवन, वाराणसी 2. भारतीय दर्शन का इतिहास, एस.एन. गुप्त, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी
ई संसाधन	epustakalay.com

एम.ए. संस्कृत द्वितीय सेमेस्टर	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SAN8008T
पाठ्यक्रम क्रमांक	III
पाठ्यक्रम का नाम	व्याकरण एवं भाषाविज्ञान
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 6.0
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	4
पाठ्यक्रम का प्रकार	डी.सी.सी. (Discipline Centric Core Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	40 व्याख्यान, 10 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 10 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व-योग्यता	स्नातक उत्तीर्ण
उद्देश्य	व्याकरणशास्त्र के समास प्रकरण एवं भाषाविज्ञान का अधिगम।
पाठ्यक्रम अधिगम के परिणाम	1. विद्यार्थी व्याकरणशास्त्र के प्रमुख विषय समास का अधिगम कर सकेंगे। 2. विद्यार्थियों की संस्कृत भाषा दक्षता में वृद्धि होगी। 3. विद्यार्थी भाषाविज्ञान के अधिगम से भाषाओं की जननी कही जाने वाली संस्कृत की विशेषताओं को समझ सकेंगे। 4. विद्यार्थी भाषाविज्ञान के अधिगम से विश्वभाषाओं का तुलनात्मक ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
पाठ्यक्रम	1. लघुसिद्धान्तकौमुदी का समास प्रकरण 2. भाषाविज्ञान
पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	

प्रथम इकाई	लघुसिद्धान्तकौमुदी के समास प्रकरण में केवलसमास प्रकरण एवं अव्ययीभावसमास प्रकरण (12 घण्टे)
द्वितीय इकाई	लघुसिद्धान्तकौमुदी के समास प्रकरण में तत्पुरुषसमास प्रकरण (कर्मधारय एवं द्विगु समास सहित) (12 घण्टे)
तृतीय इकाई	लघुसिद्धान्तकौमुदी के समास प्रकरण में बहुव्रीहिसमास प्रकरण, द्वन्द्वसमास प्रकरण एवं समासान्तप्रकरण (12 घण्टे)
चतुर्थ इकाई	भाषाविज्ञान के अन्तर्गत निम्नलिखित विषयों का अध्ययन अपेक्षित है - भाषा की परिभाषा, भाषा का वर्गीकरण (आकृतिमूलक एवं पारिवारिक), ध्वनियों का वर्गीकरण: स्पर्श, संघर्षी, अर्धस्वर, स्वर (संस्कृत ध्वनियों के विशेष संदर्भ में), मानवीय ध्वनियंत्र, ध्वनि परिवर्तन के कारण, ध्वनि नियम (ग्रिम, ग्रासमान वर्नर) (12 घण्टे)
पंचम इकाई	भाषाविज्ञान के अन्तर्गत निम्नलिखित विषयों का अध्ययन अपेक्षित है - अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ एवं कारण, वाक्य का लक्षण व भेद, भारोपीय परिवार का सामान्य परिचय, वैदिक संस्कृत एवं लौकिक संस्कृत में अन्तर, भाषा तथा वाक् में अन्तर, भाषा तथा बोली में अन्तर। (12 घण्टे)
पाठ्यपुस्तकें	1. लघुसिद्धान्तकौमुदी, व्याख्याकार - गोविंद प्रसाद शर्मा, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी 2. लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या- चतुर्थ भाग), भीमसेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन, दिल्ली
सन्दर्भ पुस्तकें	1. भाषाविज्ञान, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी 2. भाषाविज्ञान की रूपरेखा, उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखंबा क्लासिकल, वाराणसी 3. भाषाविज्ञान, भोलानाथ तिवारी, किताब महल प्रकाशन 4. संस्कृत व्याकरण, प्रीतिप्रभा गोयल, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर

	5. प्रौढ रचनानुवादकौमुदी, कपिल देव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी 6. संस्कृत व्याकरण निकर, उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखम्बा क्लासिकल, वाराणसी
ई संसाधन	epustakalay.com

एम.ए. संस्कृत द्वितीय सेमेस्टर	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SAN8009T
पाठ्यक्रम क्रमांक	IV
पाठ्यक्रम का नाम	व्याकरण दर्शन
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 6.0
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	4
पाठ्यक्रम का प्रकार	डी.सी.सी. (Discipline Centric Core Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	40 व्याख्यान, 10 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 10 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व-योग्यता	स्नातक उत्तीर्ण
उद्देश्य	व्याकरणशास्त्र के दार्शनिक ग्रन्थ महाभाष्य (पश्पशाह्निक) एवं पाणिनीयशिक्षा का अधिगम।
पाठ्यक्रम अधिगम के परिणाम	1. विद्यार्थी व्याकरणशास्त्र के दार्शनिक ग्रन्थ महाभाष्य (पश्पशाह्निक) एवं पाणिनीयशिक्षा का अधिगम कर सकेंगे। 2. विद्यार्थी व्याकरणशास्त्र के प्रयोजनों एवं आधारभूत सिद्धांतों से परिचित हो सकेंगे। 3. विद्यार्थियों में संस्कृत भाषा का वर्ण-विवेक-ज्ञान उत्पन्न हो सकेगा।
पाठ्यक्रम	1. महाभाष्य पश्पशाह्निक 2. पाणिनीयशिक्षा
पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	

प्रथम इकाई	महाभाष्य पश्पशाह्निक - प्रारम्भ से 'उक्तः शब्दः। स्वरूपमप्युक्तम्। प्रयोजनान्यप्युक्तानि।' तक (12 घण्टे)
द्वितीय इकाई	महाभाष्य पश्पशाह्निक - 'शब्दानुशासनमिदानीं कर्त्तव्यम्। तत्कथं कर्त्तव्यम्?' से 'तैः पुनरसुरैर्याज्ञे कर्मण्यपभाषितम्, ततस्ते पराभूताः।' तक (12 घण्टे)
तृतीय इकाई	महाभाष्य पश्पशाह्निक - 'अथ व्याकरणम् इत्यस्य शब्दस्य कः पदार्थ:?' से समाप्ति तक (12 घण्टे)
चतुर्थ इकाई	पाणिनीयशिक्षा - प्रारम्भ से 30 श्लोक तक (12 घण्टे)
पंचम इकाई	पाणिनीयशिक्षा - 31वें श्लोक से समाप्ति तक (12 घण्टे)
पाठ्यपुस्तकें	1. व्याकरणमहाभाष्यम् (पश्पशाह्निकम्), व्याख्याकार रमाकान्त पाण्डेय, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर 2. व्याकरणमहाभाष्यम् (पश्पशाह्निकम्), व्याख्याकार हरस्वरूप वशिष्ठ, हंसा प्रकाशन, जयपुर 3. व्याकरणमहाभाष्यम्, व्याख्याकार मधुसूदन मिश्र, चौखंबा विद्याभवन, वाराणसी 4. पाणिनीयशिक्षा, व्याख्याकार अर्कनाथ चौधरी, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर 5. पाणिनीयशिक्षा, व्याख्याकार शिवराज आचार्य, चौखंबा विद्याभवन, वाराणसी
ई संसाधन	epustakalay.com

एम.ए. संस्कृत द्वितीय सेमेस्टर	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SAN8010T
पाठ्यक्रम क्रमांक	V
पाठ्यक्रम का नाम	महाकाव्य एवं संस्कृत साहित्य का इतिहास
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 6.0
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	4
पाठ्यक्रम का प्रकार	डी.सी.सी. (Discipline Centric Core Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	40 व्याख्यान, 10 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 10 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व-योग्यता	स्नातक उत्तीर्ण
उद्देश्य	संस्कृत साहित्य के प्रमुख कवियों का परिचय एवं शिशुपालवध महाकाव्य के प्रथम सर्ग का अधिगम।
पाठ्यक्रम अधिगम के परिणाम	1. विद्यार्थी संस्कृत साहित्य के प्रमुख कवियों का परिचय प्राप्त कर सकेंगे। 2. विद्यार्थी शिशुपालवध महाकाव्य के प्रथम सर्ग का अधिगम कर सकेंगे। 3. विद्यार्थी 'माघे सन्ति त्रयो गुणाः' की विशेषता वाले महाकवि माघ के काव्यकौशल से परिचित हो सकेंगे। 4. विद्यार्थियों की संस्कृत काव्यपठन की ओर अभिवृद्धि हो सकेगी। 5. विद्यार्थी काव्यपठन से लोकव्यवहार की प्राप्ति एवं रसास्वादन कर सकेंगे।

पाठ्यक्रम	1. महाकवि माघ विरचित शिशुपालवध महाकाव्य का प्रथम सर्ग 2. संस्कृत साहित्य का इतिहास
पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	
प्रथम इकाई	शिशुपालवध प्रथम सर्ग - 1 से 24 पद्य (12 घण्टे)
द्वितीय इकाई	शिशुपालवध प्रथम सर्ग - 25 से 47 पद्य (12 घण्टे)
तृतीय इकाई	शिशुपालवध प्रथम सर्ग - 48 पद्य से अन्त तक (12 घण्टे)
चतुर्थ इकाई	संस्कृत साहित्य के इतिहास के अन्तर्गत निम्नलिखित कवियों का व्यक्तित्व एवं कृतित्व अध्ययनीय है- भास, अश्वघोष, कालिदास, शूद्रक, विशाखदत्त, भारवि, माघ (12 घण्टे)
पंचम इकाई	संस्कृत साहित्य के इतिहास के अन्तर्गत निम्नलिखित कवियों का व्यक्तित्व एवं कृतित्व अध्ययनीय है - हर्ष, बाणभट्ट, दण्डी, भवभूति, भट्टनारायण, बिल्हण, श्रीहर्ष एवं अम्बिकादत्त व्यास (12 घण्टे)
पाठ्यपुस्तकें	1. शिशुपालवध प्रथम सर्ग, कैलाश चंद्र त्रिवेदी, हंसा प्रकाशन, जयपुर 2. शिशुपालवध प्रथम सर्ग, श्रद्धा सिंह, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर 3. शिशुपालवध प्रथम सर्ग, धुरन्धर पाण्डेय, भारतीय विद्या संस्थान, वाराणसी 4. शिशुपालवध, आद्या प्रसाद मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद
सन्दर्भ पुस्तकें	1. संस्कृत साहित्य का इतिहास, बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन, वाराणसी 2. संस्कृतसुकविसमीक्षा, बलदेव उपाध्याय, चौखम्भाविद्याभवनप्रकाशन, वाराणसी

	3. संस्कृत साहित्य का समग्र इतिहास, राधावल्लभ त्रिपाठी, न्यू भारतीय बुक कॉरपोरेशन, दिल्ली 4. संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास, बलदेव उपाध्याय; राधावल्लभ त्रिपाठी, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ 5. संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखंबा भारती अकादमी, वाराणसी 6. महाकवि माघ महिमा, भास्कर शर्मा श्रोत्रिय, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर
ई संसाधन	epustakalay.com

एम.ए. संस्कृत द्वितीय सेमेस्टर	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SAN8100T
पाठ्यक्रम क्रमांक	VI
पाठ्यक्रम का नाम	प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं पुराणेतिहास
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 6.0
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	4
पाठ्यक्रम का प्रकार	जी.ई.सी. (Generic Elective Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	40 व्याख्यान, 10 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 10 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व-योग्यता	स्नातक उत्तीर्ण
उद्देश्य	प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं पुराणेतिहास का अधिगम।
पाठ्यक्रम अधिगम के परिणाम	1. विद्यार्थी प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों से प्रेरित हो सकेंगे। 2. विद्यार्थी भारतवर्ष की प्रतिष्ठाद्वय कही जाने वाली संस्कृत और संस्कृति के प्रति उन्मुख हो सकेंगे। 3. विद्यार्थी रामायण, महाभारत एवं पुराणों के आख्यानों से लोकव्यवहार एवं नैतिक शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे।
पाठ्यक्रम	1. प्राचीन भारतीय संस्कृति 2. रामायण 3. महाभारत 4. पुराण
पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	

प्रथम इकाई	प्राचीन भारतीय संस्कृति - वर्णव्यवस्था, आश्रमव्यवस्था, पुरुषार्थ, ऋण, पञ्चमहायज्ञ (12 घण्टे)
द्वितीय इकाई	प्राचीन भारतीय संस्कृति - संस्कार, विवाह, प्राचीन विद्या केन्द्र एवं शिक्षा, भारतीय संस्कृति का विस्तार, विशेषताएँ एवं महत्त्व (12 घण्टे)
तृतीय इकाई	रामायण - रचनाकार, रचनाकाल, विषयवस्तु, रामायणकालीन संस्कृति व समाज, परवर्ती ग्रन्थों के लिए प्रेरणा स्रोत, साहित्यिक महत्त्व, रामायण में आख्यान (12 घण्टे)
चतुर्थ इकाई	महाभारत - रचनाकार, रचनाकाल, विषयवस्तु, महाभारतकालीन संस्कृति व समाज, परवर्ती ग्रन्थों के लिए प्रेरणा स्रोत, साहित्यिक महत्त्व, महाभारत में आख्यान (12 घण्टे)
पंचम इकाई	पुराण - अर्थ, लक्षण, विषयवस्तु, पुराणों की संख्या तथा विभाजन, रचनाकाल एवं अष्टादश महापुराणों का परिचय (12 घण्टे)
सन्दर्भ पुस्तकें	1. भारतीय संस्कृति, वाई.एस. रमेश, हंसा प्रकाशन, जयपुर 2. भारतीय संस्कृति, प्रीतिप्रभा गोयल, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर 3. मनुस्मृति, कमलनयन शर्मा, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर 4. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी 5. संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास, बलदेव उपाध्याय; राधावल्लभ त्रिपाठी, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ 6. संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखंबा भारती अकादमी, वाराणसी 7. रामायण, गीताप्रेस, गोरखपुर

	8. महाभारत, गीताप्रेस, गोरखपुर 9. पुराण-परिशीलन, गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना 10. पुराण विमर्श, बलदेव उपाध्याय, चौखंबा विद्याभवन, वाराणसी
ई संसाधन	epustakalay.com

एम.ए. संस्कृत द्वितीय सेमेस्टर	
पत्र कूट संख्या	SAN8101T
पत्र क्रमांक	VI
पाठ्यक्रम का नाम	श्रीमद्भगवद्गीता, नीतिकाव्य एवं अनुवाद
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 6.0
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	4
पाठ्यक्रम का प्रकार	जी.ई.सी. (Generic Elective Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	40 व्याख्यान, 10 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 10 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व-योग्यता	स्नातक उत्तीर्ण
पाठ्यक्रम उद्देश्य	1. विद्यार्थी को सरल एवं रुचिपूर्ण तरीके से संस्कृत सम्भाषण, शुद्ध उच्चारण तथा हिंदी से संस्कृत एवं संस्कृत से हिन्दी अनुवाद में दक्षता प्रदान करना। 2. भारतीय संस्कृति एवं ज्ञानपरम्परा के आधारभूत ग्रन्थ श्रीमद्भवगद्गीता के दूसरे अध्याय के माध्यम से विद्यार्थी को संस्कृत भाषाज्ञान एवं नैतिक मूल्यों की शिक्षा प्रदान करना। 3. संस्कृत साहित्य के प्रसिद्ध सुभाषित ग्रन्थ 'नीतिशतकम्' के माध्यम से विद्यार्थी को संस्कृत भाषाज्ञान एवं जीवनोपयोगी नीतिशिक्षा प्रदान करना।
पाठ्यक्रम के अधिगम के परिणाम	1. विद्यार्थी संस्कृत भाषा के शुद्ध उच्चारण, सम्भाषण एवं लेखन में कुशल होंगे। 2. विद्यार्थी पाठ्यक्रम से इतर संस्कृत ग्रन्थों को भी पढ़ने एवं समझने में समर्थ हो सकेंगे।

	3. संस्कृत भाषा के अवबोध से विद्यार्थी भारतीय संस्कृति को सूक्ष्मता से समझने में सक्षम होंगे। 4. भगवद्गीता के अधिगम से विद्यार्थी सदाचरण एवं दुराचरण का विवेकज्ञान प्राप्त कर सदाचारी बनेंगे। 5. नीतिशिक्षा के अधिगम से विद्यार्थी जीवनोपयोगी व्यवहारिक ज्ञान से युक्त तथा जीवन में आने वाली चुनौतियों से निपटने हेतु दक्ष होंगे।
पाठ्यक्रम	1. श्रीमद्भगवद्गीता - द्वितीय अध्याय 2. कपिलदेव द्विवेदी विरचित प्रारम्भिक रचनानुवादकौमुदी -1 से 17 अभ्यास 3. महाकवि भर्तृहरि विरचित नीतिशतक के कतिपय प्रमुख पद्य
पाठ्यक्रम की इकाइयाँ (प्रत्येक इकाई हेतु 12 घण्टे)	
प्रथम इकाई	श्रीमद्भगवद्गीता - द्वितीय अध्याय के प्रारम्भ से 38 श्लोक तक (12 घण्टे)
द्वितीय इकाई	श्रीमद्भगवद्गीता - द्वितीय अध्याय में 39वें श्लोक से द्वितीय अध्याय की समाप्ति तक (12 घण्टे)
तृतीय इकाई	प्रारम्भिक रचनानुवादकौमुदी - 1 से 9 अभ्यास के आधार पर हिन्दी से संस्कृत अनुवाद (12 घण्टे)
चतुर्थ इकाई	प्रारम्भिक रचनानुवादकौमुदी - 10 से 17 अभ्यास के आधार पर हिन्दी से संस्कृत अनुवाद (12 घण्टे)
पंचम इकाई	महाकवि भर्तृहरि विरचित नीतिशतक के निम्नलिखित पद्यों का अध्ययन अपेक्षित है- 1. दिक्कालाद्यनवच्छिन्नानन्तचिन्मात्रमूर्त्तये। स्वानुभूत्येकमानाय नमः शान्ताय तेजसे॥ 2. बोद्धारो मत्सरग्रस्ताः प्रभवः स्मयदूषिताः। अबोधोपहतश्चान्ये जीर्णमङ्गे सुभाषितम्॥ 3. अज्ञः सुखमाराध्यः सुखतरमाराध्यते विशेषज्ञः। ज्ञानलवदुर्विदग्धं ब्रह्माऽपि तं नरं न रञ्जयति॥

4. साहित्यसङ्गीतकलाविहीन: साक्षात्पशु:
पुच्छविषाणहीन:।
तृणं न खादन्नपि जीवमानस्तद्भागधेयं परमं पशूनाम्॥
5. येषां न विद्या न तपो न दानं ज्ञानं न शीलं न गुणो न धर्म:।
ते मर्त्यलोके भुवि भारभूता मनुष्यरूपेण मृगाश्चरन्ति॥
6. वरं पर्वतदुर्गेषु भ्रान्तं वनचरै: सह।
न मूर्खजनसम्पर्क: सुरेन्द्रभवनेष्वपि॥
7. केयूराणि न भूषयन्ति पुरुषं हारा न चन्द्रोज्ज्वला
न स्नानं न विलेपनं न कुसुमं नालङ्कृता मूर्धजा:।
वाण्येका समलङ्करोति पुरुषं या संस्कृता धार्यते
क्षीयन्ते खलु भूषणानि सततं वाग्भूषणं भूषणम्॥
8. विद्या नाम नरस्य रूपमधिकं प्रच्छन्नगुप्तं धनं
विद्या भोगकरी यश:सुखकरी विद्या गुरूणां गुरु:।
विद्या बन्धुजनो विदेशगमने विद्या परं दैवतं
विद्या राजसु पूजिता न तु धनं विद्याविहीन: पशु:॥
9. जाड्यं धियो हरति सिञ्चति वाचि सत्यं मानोन्नतिं
दिशति पापमपाकरोति।
चेत: प्रसादयति दिक्षु तनोति कीर्तिं सत्संगति: कथय
किं न करोति पुंसाम्॥
10. प्रारभ्यते न खलु विघ्नभयेन नीचै: प्रारभ्य विघ्नविहता
विरमन्ति मध्या:।
विघ्नै: पुन: पुनरपि प्रतिहन्यमाना: प्रारभ्य तूत्तमजना:
न परित्यजन्ति॥
11. परिवर्तिनि संसारे मृत: को वा न जायते।
स जातो येन जातेन याति वंश: समुन्नतिम्॥
12. यस्यास्ति वित्तं स नरः कुलीनः स पण्डितः स श्रुतवान्
गुणज्ञः।
स एव वक्ता स च दर्शनीयः सर्वे गुणाः
काञ्चनमाश्रयन्ति॥
13. दानं भोगो नाशस्तिस्रो गतयो भवन्ति वित्तस्य।
यो न ददाति न भुङ्क्ते तस्य तृतीया गतिर्भवति॥
14. दुर्जन: परिहर्त्तव्यो विद्ययाऽलङ्कृतोऽपि सन्।

	मणिना भूषित: सर्प: किमसौ न भयङ्कर:॥ 15.आरम्भगुर्वी क्षयिणी क्रमेण लघ्वी पुरा वृद्धिमती च पश्चात्। दिनस्य पूर्वार्धपरार्धभिन्ना छायेव मैत्री खलसज्जनानाम्॥ 16.मृगमीनसज्जनानां तृणजलसंतोषविहितवृत्तीनाम्। लुब्धकधीवरपिशुना निष्कारणवैरिणो जगति॥ 17.विपदि धैर्यमथाभ्युदये क्षमा सदसि वाक्पटुता युधि विक्रम:। यशसि चाभिरुचिर्व्यसनं श्रुतौ प्रकृतिसिद्धमिदं हि महात्मनाम्॥ 18.श्रोत्रं श्रुतेनैव न कुण्डलेन दानेन पाणिर्न तु कङ्कणेन। विभाति काय: करुणापराणां परोपकारैर्न तु चन्दनेन॥ 19.पापान्निवारयति योजयते हिताय गुह्यञ्च गूहति गुणान्प्रकटीकरोति। आपद्गतञ्च न जहाति ददाति काले सन्मित्रलक्षणमिदं प्रवदन्ति सन्त:।। 20.निन्दन्तु नीतिनिपुणा यदि वा स्तुवन्तु लक्ष्मी: समाविशतु गच्छतु वा यथेष्टम्। अद्यैव वा मरणमस्तु युगान्तरे वा न्यायात्पथ: प्रविचलन्ति पदं न धीरा:॥ 21.आलस्यं हि मनुष्याणां शरीरस्थो महान् रिपु:। नास्त्युद्यमसमो बन्धु: कुर्वाणो नावसीदति॥ 22.छिन्नोऽपि रोहति तरु: क्षीणोऽप्युपचीयते पुनश्चन्द्र:। इति विमृशन्त: सन्त: संतप्यन्ते न ते विपदा॥ 23.वने रणे शत्रुजलाग्निमध्ये महार्णवे पर्वतमस्तके वा। सुप्तं प्रमत्तं विषमस्थितं वा रक्षन्ति पुण्यानि पुरा कृतानि॥ 24.को लाभो गुणिसङ्गम: किमसुखं प्राज्ञेतरै: सङ्गति: का हानि: समयच्युतिर्निपुणता का धर्मतत्त्वे रति:। क: शूरो विजितेन्द्रिय: प्रियतमा काऽनुव्रता किं धनं विद्या किं सुखमप्रवासगमनं राज्यं किमाज्ञाफलम्॥ (12 घण्टे)

पाठ्यपुस्तकें	1. प्रारम्भिक रचनानुवादकौमुदी - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी 2. श्रीमद्भगवद्गीता (पदच्छेद, अन्वय एवं साधारण भाषाटीका सहित), जयदयाल गोयन्दका, गीताप्रेस, गोरखपुर 3. नीतिशतकम् (भर्तृहरि), नरेश झा, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी 4. नीतिशतकम् (भर्तृहरि), राकेश शास्त्री, परिमल पब्लिकेशन्स, दिल्ली
ई संसाधन	epustakalay.com

एम.ए. संस्कृत तृतीय सेमेस्टर	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SAN9011T
पाठ्यक्रम क्रमांक	I
पाठ्यक्रम का नाम	तर्कभाषा
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 6.5
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	4
पाठ्यक्रम का प्रकार	डी.सी.सी. (Discipline Centric Core Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	40 व्याख्यान, 10 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 10 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व-योग्यता	स्नातक उत्तीर्ण
उद्देश्य	भारतीय दर्शनशास्त्र की न्यायदर्शनपरंपरा के प्रमुख ग्रन्थ तर्कभाषा (प्रामाण्यवाद तक) का अधिगम।
पाठ्यक्रम अधिगम के परिणाम	1. विद्यार्थी भारतीय दर्शनशास्त्र की न्याय दर्शन परंपरा का परिचय प्राप्त कर सकेंगे। 2. विद्यार्थी न्याय दर्शन के सारभूत ग्रन्थ तर्कभाषा का अधिगम कर सकेंगे। 3. विद्यार्थियों में न्याय दर्शन के अन्य ग्रन्थों को पढ़ने की प्रवृत्ति हो सकेगी।
पाठ्यक्रम	केशवमिश्र प्रणीत तर्कभाषा (प्रामाण्यवाद तक)
पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	

प्रथम इकाई	उपोद्घात से प्रमाण प्रकार निरूपण तक (12 घण्टे)
द्वितीय इकाई	प्रत्यक्ष प्रमाण (12 घण्टे)
तृतीय इकाई	अनुमान प्रमाण हेत्वाभास सहित (12 घण्टे)
चतुर्थ इकाई	उपमान प्रमाण से अभाव प्रमाण खण्डन पर्यन्त (12 घण्टे)
पंचम इकाई	प्रामाण्यवाद निरूपण (12 घण्टे)
पाठ्यपुस्तकें	1. तर्कभाषा - केशवमिश्र, (व्याख्याकार) आचार्य विश्वेश्वर सिद्धान्तशिरोमणि, चौखम्बा संस्कृत ऑफिस, वाराणसी, 2009 2. तर्कभाषा - केशवमिश्र (व्याख्याकार), आचार्य बदरीनाथ शुक्ल, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी, 1968 3. तर्कभाषा - केशवमिश्र, (व्याख्याकार) श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ, 1972
सन्दर्भ पुस्तकें	1. भारतीय दर्शन, जगदीश चंद्र मिश्र, चौखंबा विद्याभवन, वाराणसी 2. भारतीय दर्शन का इतिहास, एस.एन. गुप्त, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी
ई संसाधन	epustakalay.com

एम.ए. संस्कृत तृतीय सेमेस्टर	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SAN9012T
पाठ्यक्रम क्रमांक	II
पाठ्यक्रम का नाम	व्याकरण एवं निबन्ध
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 6.5
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	4
पाठ्यक्रम का प्रकार	डी.सी.सी. (Discipline Centric Core Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	40 व्याख्यान, 10 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 10 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व-योग्यता	स्नातक उत्तीर्ण
उद्देश्य	व्याकरण शास्त्र की आचार्य परंपरा एवं लघुसिद्धांतकौमुदी से प्रमुख कृदन्त प्रत्ययों, तद्धित प्रकरण (अपत्याधिकार तक) तथा स्त्रीप्रत्ययप्रकरण के अधिगम के साथ संस्कृत निबंध लेखन में दक्षता प्रदान करना।
पाठ्यक्रम अधिगम के परिणाम	1. विद्यार्थी कृदन्त, तद्धित और स्त्री प्रत्ययों के प्रयोग में दक्षता प्राप्त कर सकेंगे। 2. विद्यार्थी व्याकरण शास्त्र की आचार्य परंपरा से परिचित हो सकेंगे। 3. विद्यार्थी संस्कृत निबंध लेखन में दक्षता प्राप्त कर सकेंगे। 4. विद्यार्थियों की संस्कृत भाषा दक्षता में अभिवृद्धि हो सकेगी।

पाठ्यक्रम	1. वरदराजाचार्य प्रणीत लघुसिद्धान्तकौमुदी का कृदन्त प्रकरण - कृदन्ते कृत्यप्रक्रिया और कतिपय प्रमुख प्रत्यय 2. वरदराजाचार्य प्रणीत लघुसिद्धान्तकौमुदी का तद्धित प्रकरण - प्रारम्भ से अपत्याधिकार तक 3. वरदराजाचार्य प्रणीत लघुसिद्धान्तकौमुदी का स्त्रीप्रत्यय प्रकरण - सम्पूर्ण 4. व्याकरण शास्त्र की आचार्य परम्परा - कतिपय प्रमुख आचार्य 5. संस्कृत निबन्ध लेखन
पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	
प्रथम इकाई	लघुसिद्धान्तकौमुदी के कृदन्त प्रकरण से कृदन्ते कृत्यप्रक्रिया और निम्नलिखित प्रत्ययों का ससूत्र अध्ययन - ण्वुल्, तृच्, क्त, क्तवतु, शतृ, शानच्, तुमुन्, घञ्, क्तिन्, ल्युट्, क्त्वा, ल्यप्, णमुल्। (12 घण्टे)
द्वितीय इकाई	लघुसिद्धान्तकौमुदी में तद्धित प्रकरण के प्रारम्भ से अपत्याधिकार तक (12 घण्टे)
तृतीय इकाई	लघुसिद्धान्तकौमुदी का स्त्रीप्रत्यय प्रकरण (12 घण्टे)
चतुर्थ इकाई	निम्नलिखित आचार्यों का उनके कृतित्व सहित सामान्य परिचय अपेक्षित है - पाणिनि, कात्यायन, पतंजलि, भर्तृहरि, वामन जयादित्य, भट्टोजिदीक्षित, नागेशभट्ट, वरदराज, कैयट। (12 घण्टे)
पंचम इकाई	निम्नलिखित विषयों पर संस्कृत में निबंध लेखन - संस्कृतभाषायाः महत्त्वम्, भारतीया संस्कृतिः, रम्या रामायणी कथा, महाकविः कालिदासः, आचारः परमो धर्मः, परोपकारः, भारतमहिमा। (12 घण्टे)
पाठ्यपुस्तकें	1. लघुसिद्धान्तकौमुदी, व्याख्याकार - गोविंद प्रसाद शर्मा, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी 2. लघुसिद्धान्तकौमुदी (भैमी व्याख्या- तृतीय, पञ्चम एवं षष्ठ भाग), भीमसेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन, दिल्ली

सन्दर्भ पुस्तकें	1. संस्कृतनिबन्धशतकम्, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी 2. प्रौढ रचनानुवादकौमुदी, कपिल देव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी 3. संस्कृत शास्त्रों का इतिहास, बलदेव उपाध्याय, चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी 4. संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखंबा भारती अकादमी, वाराणसी 5. संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (पञ्चदश खण्ड - व्याकरण), उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ 6. संस्कृत व्याकरण, प्रीतिप्रभा गोयल, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर 7. संस्कृत व्याकरण निकर, उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखम्बा क्लासिकल, वाराणसी
ई संसाधन	epustakalay.com

एम.ए. संस्कृत तृतीय सेमेस्टर	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SAN9102T
पाठ्यक्रम क्रमांक	III A
पाठ्यक्रम का नाम	काव्यशास्त्र एवं सम्प्रदाय
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 6.5
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	4
पाठ्यक्रम का प्रकार	डी.एस.ई. (Discipline Specific Elective Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	40 व्याख्यान, 10 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 10 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व-योग्यता	स्नातक उत्तीर्ण
उद्देश्य	1. विद्यार्थी काव्य की परिभाषा, प्रयोजन, भेद, शब्दशक्तियों एवं रसों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। 2. विद्यार्थी भारतीय काव्यशास्त्र परंपरा के संप्रदायों से परिचित हो सकेंगे। 3. विद्यार्थियों में काव्यशास्त्र की उपयोगिता की समझ विकसित होगी। 4. कवित्व प्रतिभा वाले विद्यार्थियों के काव्यकौशल में वृद्धि होगी। 5. विद्यार्थियों की अन्य काव्यशास्त्रीय ग्रन्थों की ओर प्रवृत्ति हो सकेगी।
पाठ्यक्रम अधिगम के परिणाम	भारतीय काव्यशास्त्र परंपरा के प्रमुख संप्रदायों एवं ध्वनिसंप्रदाय के प्रमुख ग्रंथ काव्यप्रकाश (1 से 4 उल्लास) का अधिगम।

पाठ्यक्रम	1. आचार्य मम्मट विरचित काव्यप्रकाश - 1 से 4 उल्लास 2. काव्यशास्त्र के सम्प्रदाय
पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	
प्रथम इकाई	काव्यप्रकाश का प्रथम उल्लास (12 घण्टे)
द्वितीय इकाई	काव्यप्रकाश का द्वितीय उल्लास - 18 वीं कारिका तक (12 घण्टे)
तृतीय इकाई	काव्यप्रकाश का द्वितीय उल्लास - 19 वीं कारिका से अन्त तक तथा काव्यप्रकाश का तृतीय उल्लास (12 घण्टे)
चतुर्थ इकाई	काव्यप्रकाश का चतुर्थ उल्लास - 35 वीं कारिका तक (12 घण्टे)
पंचम इकाई	काव्यशास्त्र के निम्नलिखित संप्रदायों एवं उनके आचार्यों का सामान्य परिचय अपेक्षित है - रससम्प्रदाय, अलंकारसम्प्रदाय, रीतिसम्प्रदाय, ध्वनिसम्प्रदाय, वक्रोक्तिसम्प्रदाय और औचित्यसम्प्रदाय (12 घण्टे)
पाठ्यपुस्तकें	1. काव्यप्रकाश - मम्मट, (व्या.) आचार्य विश्वेश्वर, ज्ञानमण्डललिमिटेड, वाराणसी 2. काव्यप्रकाश - मम्मट, बालबोधिनी टीका (झलकीकर), पूना संस्करण 3. काव्यप्रकाश - मम्मट, (व्या.) पारसनाथ द्विवेदी, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा, 1986 4. काव्यप्रकाश - मम्मट, (व्या.) श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ
सन्दर्भ पुस्तकें	1. संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखंबा भारती अकादमी, वाराणसी 2. संस्कृतनिबन्धशतकम्, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी 3. भारतीयसाहित्यशास्त्र, बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी 4. संस्कृत शास्त्रों का इतिहास, बलदेव उपाध्याय, चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी

	5. संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास (अष्टम खण्ड, काव्यशास्त्र), उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ 6. अलंकारशास्त्र का इतिहास, कृष्णकुमार, साहित्य भण्डार, मेरठ
ई संसाधन	epustakalay.com

एम.ए. संस्कृत तृतीय सेमेस्टर	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SAN9103T
पाठ्यक्रम क्रमांक	III B
पाठ्यक्रम का नाम	भारतीय दर्शन
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 6.5
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	4
पाठ्यक्रम का प्रकार	डी.एस.ई. (Discipline Specific Elective Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	40 व्याख्यान, 10 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 10 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व-योग्यता	स्नातक उत्तीर्ण
उद्देश्य	भारतीय दर्शन परंपरा के सभी दर्शनों का सामान्य अध्ययन।
पाठ्यक्रम अधिगम के परिणाम	1. विद्यार्थी भारतीय दर्शन परंपरा के सभी दर्शनों से परिचित हो सकेंगे। 2. विद्यार्थियों की दर्शनशास्त्र के अन्य ग्रन्थों को पढ़ने की ओर प्रवृत्ति हो सकेगी। 3. विद्यार्थियों की स्वयं के जीवनदर्शन की ओर दृष्टि विकसित हो सकेगी।
पाठ्यक्रम	भारतीय दर्शन परिचय
पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	

प्रथम इकाई	दर्शन का तात्पर्य, भारतीय दर्शन की विशेषताएँ, भारतीय दर्शन के भेद तथा भारतीय दर्शनों का पारस्परिक सामंजस्य। (12 घण्टे)
द्वितीय इकाई	**सांख्य दर्शन -** सांख्य दर्शन की तत्त्वमीमांसा, प्रमाणमीमांसा (प्रमा व प्रमाण), दुःख मीमांसा तथा आचारमीमांसा (अपवर्ग, जीवनमुक्ति एवं विदेहमुक्ति) **योग दर्शन** - योग दर्शन की मनोवैज्ञानिक पृष्ठभूमि, चित्तभूमि, चित्तवृत्ति, संस्कार, समाधि, पञ्चक्लेश, अष्टांग योग तथा कैवल्य। (12 घण्टे)
तृतीय इकाई	**न्याय दर्शन** - न्याय दर्शन की प्रमाणमीमांसा (प्रमा, प्रमाण - प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान व शब्द), तत्त्वमीमांसा (ईश्वर स्वरूप एवं ईश्वर सिद्धि), आचार मीमांसा (मुक्ति, मुक्ति का स्वरूप और मुक्ति का मार्ग) **वैशेषिक दर्शन** - वैशेषिक दर्शन की तत्त्वमीमांसा, ज्ञानमीमांसा तथा आचारमीमांसा (मोक्ष) (12 घण्टे)
चतुर्थ इकाई	**मीमांसा दर्शन -** मीमांसा दर्शन की तत्त्वमीमांसा (पदार्थ, जगत्, शक्ति व आत्मा), ज्ञान मीमांसा (प्रमाण) तथा आचारमीमांसा (धर्म, ईश्वर एवं मोक्ष) **वेदान्त दर्शन -** वेदान्त दर्शन की तत्त्वमीमांसा (आत्मतत्त्व, ब्रह्मविचार, माया, अध्यास) तथा आचारमीमांसा (ज्ञान-कर्मसमुच्चय, आत्मा एवं ब्रह्म की एकता, मुक्ति का स्वरूप) (12 घण्टे)
पंचम इकाई	**चार्वाक दर्शन** - चार्वाक दर्शन की ज्ञानमीमांसा (प्रत्यक्ष, अनुमान एवं स्वभाववाद), तत्त्वमीमांसा (जीव, जगत् और ईश्वर) तथा आचार मीमांसा (धर्म की अस्वीकृति और आधिभौतिक सुखवाद) **जैन दर्शन** - जैन दर्शन की ज्ञानमीमांसा (परोक्षज्ञान, प्रत्यक्षज्ञान, स्याद्वाद व नयवाद), तत्त्वमीमांसा (वस्तु, द्रव्य, जीव व अजीव) तथा आचारमीमांसा (रत्नत्रय, कर्म, पदार्थ और गुणस्थान) **बौद्धदर्शन** - नैरात्म्यवाद, सन्तानवाद, दार्शनिक विकास (सम्प्रदायगत वैशिष्ट्य- वैभाषिक, सौत्रान्तिक, योगाचार एवं माध्यमिक सम्प्रदाय) (12 घण्टे)
पाठ्यपुस्तकें	1. सर्वदर्शनसंग्रह (माधवाचार्य), भाष्यकार उमाशंकर शर्मा 'ऋषि'

सन्दर्भ पुस्तकें	1. भारतीय दर्शन, बलदेव उपाध्याय, चौखम्भा ओरियन्टालिया, वाराणसी 2. भारतीय दर्शन, जगदीशचन्द्र मिश्र, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी 3. भारतीय दर्शन, चन्द्रधर शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली 4. भारतीय दर्शन की रूपरेखा, हरेंद्र प्रसाद सिन्हा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
ई संसाधन	epustakalay.com

एम.ए. संस्कृत तृतीय सेमेस्टर	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SAN9104T
पाठ्यक्रम क्रमांक	IV A
पाठ्यक्रम का नाम	नाटक एवं नाट्यशास्त्र
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 6.5
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	4
पाठ्यक्रम का प्रकार	डी.एस.ई. (Discipline Specific Elective Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	40 व्याख्यान, 10 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 10 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व-योग्यता	स्नातक उत्तीर्ण
उद्देश्य	भारतीय नाट्यशास्त्र परंपरा के प्रमुख ग्रंथ नाट्यशास्त्र के रसाध्याय एवं महाकवि भवभूति विरचित उत्तररामचरित नाटक (प्रथम से तृतीय अंक तक) का अधिगम।
पाठ्यक्रम अधिगम के परिणाम	1. विद्यार्थी काव्य एवं नाटक में रसों की महत्ता को समझ सकेंगे। 2. विद्यार्थी महाकवि भवभूति की नाट्यकला से परिचित हो सकेंगे। 3. विद्यार्थियों की अन्य संस्कृत रूपक साहित्य की ओर प्रवृत्ति हो सकेगी। 4. विद्यार्थियों का संस्कृत भाषा का प्रायोगिक एवं व्यावहारिक पक्ष मजबूत हो सकेगा।

पाठ्यक्रम	1. महाकवि भवभूति विरचित उत्तररामचरित - प्रथम से तृतीय अंक तक 2. भरतमुनि विरचित नाट्यशास्त्र - षष्ठ अध्याय
पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	
प्रथम इकाई	उत्तररामचरित - प्रथम अंक (12 घण्टे)
द्वितीय इकाई	उत्तररामचरित - द्वितीय अंक (12 घण्टे)
तृतीय इकाई	उत्तररामचरित - तृतीय अंक (12 घण्टे)
चतुर्थ इकाई	नाट्यशास्त्र - षष्ठ अध्याय के प्रारम्भ से "एवमेषोल्पसूत्रार्थो निर्दिष्टो नाट्यसंग्रहः। अतः परं प्रवक्ष्यामि सूत्रग्रन्थविकल्पनम्॥" कारिका तक। (12 घण्टे)
पंचम इकाई	नाट्यशास्त्र - षष्ठ अध्याय में "तत्र रसानेव तावदादावभिव्याख्यास्यामः। न हि रसादृते कश्चिदर्थः प्रवर्तते। तत्र विभावानुभावव्यभिचारिसंयोगाद्रसनिष्पत्तिः।" से षष्ठ अध्याय की समाप्ति तक (12 घण्टे)
पाठ्यपुस्तकें	1. उत्तररामचरितम्, (व्या.) शिवबालक द्विवेदी, हंसा प्रकाशन, जयपुर 2. उत्तररामचरितम्, (व्या.) रमाशंकर त्रिपाठी, चौखंबा कृष्णदास अकादमी, वाराणसी 3. उत्तररामचरितम्, (व्या.) आनन्दस्वरूप, सं. जनार्दन शास्त्री पाण्डेय, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली 4. उत्तररामचरितम् - राम अवध पाण्डेय एवं रविनाथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी 5. उत्तररामचरितम् - रमाकान्त त्रिपाठी, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 1993 6. उत्तररामचरितम् - रामाधार शर्मा, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली, 2005 7. नाट्यशास्त्र, (व्याख्याकार) ब्रजमोहन चतुर्वेदी, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली

	8. नाट्यशास्त्र, (सम्पादक) बाबूलाल शुक्ल, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी 9. नाट्यशास्त्र, (सम्पादक) बटुकनाथ शर्मा एवं पं. बलदेव उपाध्याय, काशी संस्कृत सीरीज, वाराणसी
सन्दर्भ पुस्तकें	1. भवभूति के नाटक, ब्रजवल्लभ शर्मा, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल, 1973 2. भवभूति और उनका उत्तररामचरितम्, रामाश्रय शर्मा, परिमल पब्लिकेशन्स, दिल्ली, 1997 3. भवभूति और उसकी नाट्यकला, अयोध्याप्रसाद सिंह, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1969
ई संसाधन	epustakalay.com

एम.ए. संस्कृत तृतीय सेमेस्टर	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SAN9105T
पाठ्यक्रम क्रमांक	IV B
पाठ्यक्रम का नाम	योग दर्शन
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 6.5
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	4
पाठ्यक्रम का प्रकार	डी.एस.ई. (Discipline Specific Elective Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	40 व्याख्यान, 10 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 10 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व-योग्यता	स्नातक उत्तीर्ण
उद्देश्य	भारतीय दर्शनशास्त्र की योग दर्शन परंपरा के प्रमुख आचार्यों एवं प्रमुख ग्रंथ योगसूत्र (समाधिपाद, साधनपाद और विभूतिपाद के प्रारम्भिक छः सूत्र) का अधिगम।
पाठ्यक्रम अधिगम के परिणाम	1. विद्यार्थी भारतीय दर्शनशास्त्र की योग दर्शन परंपरा के प्रमुख आचार्यों का परिचय प्राप्त कर सकेंगे। 2. विद्यार्थी योग दर्शन के महत्त्व एवं सिद्धांतों को समझ सकेंगे। 3. योग दर्शन के माध्यम से विद्यार्थी स्वयं के जीवन को उन्नत कर सकेंगे।
पाठ्यक्रम	1. महर्षि पतञ्जलि कृत योगसूत्र - समाधिपाद, साधनपाद और विभूतिपाद के प्रारम्भिक छः सूत्र
पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	

प्रथम इकाई	योगसूत्र समाधिपाद - 1 से 22 सूत्र तक (12 घण्टे)
द्वितीय इकाई	योगसूत्र समाधिपाद - 23 से समाधिपाद के अन्तिम सूत्र तक (12 घण्टे)
तृतीय इकाई	योगसूत्र साधनपाद - 1 से 27 सूत्र तक (12 घण्टे)
चतुर्थ इकाई	योगसूत्र साधनपाद - 28 से विभूतिपाद के 6 सूत्र तक (12 घण्टे)
पंचम इकाई	योगदर्शन की वैचारिक पृष्ठभूमि, योगदर्शन के आचार्य एवं भाष्यकार तथा वर्तमान में योग दर्शन की प्रासंगिकता (12 घण्टे)
पाठ्यपुस्तकें	1. योगदर्शन (महर्षि पतञ्जलि), गीताप्रेस, गोरखपुर 2. पातञ्जलयोगदर्शनम्, व्याख्याकार स्वामी अनन्त भारती, चौखम्भा ओरियन्टालिया, दिल्ली 3. पातञ्जलयोगदर्शनम्, व्याख्याकार सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 4. पातञ्जलयोगदर्शनम्, व्याख्याता स्वामी हरिहरानन्द 'आरण्यक', मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
सन्दर्भ पुस्तकें	1. भारतीय दर्शन, बलदेव उपाध्याय, चौखम्भा ओरियन्टालिया, वाराणसी 2. भारतीय दर्शन, जगदीशचन्द्र मिश्र, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी 3. भारतीय दर्शन, चन्द्रधर शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली 4. भारतीय दर्शन की रूपरेखा, हरेंद्र प्रसाद सिन्हा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
ई संसाधन	epustakalay.com

एम.ए. संस्कृत तृतीय सेमेस्टर	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SAN9106T
पाठ्यक्रम क्रमांक	V A
पाठ्यक्रम का नाम	दशरूपक एवं नाटक
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 6.5
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	4
पाठ्यक्रम का प्रकार	डी.एस.ई. (Discipline Specific Elective Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	40 व्याख्यान, 10 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 10 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व-योग्यता	स्नातक उत्तीर्ण
उद्देश्य	भारतीय नाट्यशास्त्र परंपरा के प्रमुख ग्रंथ दशरूपक (प्रथम प्रकाश) एवं महाकवि भास विरचित स्वप्नवासवदत्तम् नाटक का अधिगम।
पाठ्यक्रम अधिगम के परिणाम	1. विद्यार्थी दशरूपक ग्रंथ के अनुसार नाट्यशास्त्रीय ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। 2. विद्यार्थी महाकवि भास की नाट्यकला से परिचित हो सकेंगे। 3. विद्यार्थी स्वप्नवासवदत्तम् नाटक का रसास्वादन कर सकेंगे। 4. विद्यार्थियों की प्रायोगिक संस्कृत भाषा दक्षता में अभिवृद्धि हो सकेगी।
पाठ्यक्रम	1. आचार्य धनञ्जय विरचित दशरूपक - प्रथम प्रकाश 2. महाकवि भास विरचित स्वप्नवासवदत्तम्

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	
प्रथम इकाई	दशरूपक के प्रथम प्रकाश के प्रारम्भ से "समग्रफलसंपत्तिः फलयोगो यथोदितः।" तक (12 घण्टे)
द्वितीय इकाई	दशरूपक के प्रथम प्रकाश में "अर्थप्रकृतयः पञ्च पञ्चावस्थासमन्विताः। यथासंख्येन जायन्ते मुखाद्याः पञ्च सन्धयः॥" से "इष्टार्थस्य रचना गोप्यगुप्तिः प्रकाशनम्। रागः प्रयोगस्याश्चर्यं वृत्तान्तस्यानुपक्षयः॥" तक (12 घण्टे)
तृतीय इकाई	दशरूपक के प्रथम प्रकाश में "द्वेधा विभागः कर्तव्यः सर्वस्यापीह वस्तुनः।" से प्रथम प्रकाश की समाप्ति तक (12 घण्टे)
चतुर्थ इकाई	स्वप्नवासवदत्तम् नाटक का प्रथम, द्वितीय व तृतीय अंक तथा भास का व्यक्तित्व एवं कृतित्व का सामान्य परिचय और भास की नाट्यकला (12 घण्टे)
पंचम इकाई	स्वप्नवासवदत्तम् नाटक का चतुर्थ, पंचम एवं षष्ठ अंक (12 घण्टे)
पाठ्यपुस्तकें	1. दशरूपक, (सम्पादक) श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ। 2. दशरूपक, (सम्पादक) लोकमणि दाहाल, चौखम्बा अमरभारती प्रकाशन, वाराणसी 3. स्वप्नवासवदत्तम् (महाकवि भास), जगदीशलाल शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली 4. स्वप्नवासवदत्तम् (महाकवि भास), वेदप्रकाश शास्त्री, चौखम्भा पब्लिशर्स, वाराणसी
सन्दर्भ पुस्तकें	1. संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखंबा भारती अकादमी, वाराणसी 2. संस्कृत साहित्य का इतिहास, बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन, वाराणसी 3. संस्कृतसुकविसमीक्षा, बलदेव उपाध्याय, चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी 4. संस्कृत साहित्य का समग्र इतिहास, राधावल्लभ त्रिपाठी, न्यू भारतीय बुक कॉरपोरेशन, दिल्ली

	5. संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास, बलदेव उपाध्याय; राधावल्लभ त्रिपाठी, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ 6. महाकवि भास एक अध्ययन, बलदेव उपाध्याय, चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी 7. महाकवि भास, नेमिचन्द्र शास्त्री, मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल 8. भारतीयसाहित्यशास्त्र, बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
ई संसाधन	epustakalay.com

एम.ए. संस्कृत तृतीय सेमेस्टर	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SAN9107T
पाठ्यक्रम क्रमांक	V B
पाठ्यक्रम का नाम	न्याय दर्शन
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 6.5
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	4
पाठ्यक्रम का प्रकार	डी.एस.ई. (Discipline Specific Elective Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	40 व्याख्यान, 10 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 10 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व-योग्यता	स्नातक उत्तीर्ण
उद्देश्य	भारतीय दर्शनशास्त्र की न्याय दर्शन परंपरा के आचार्यों एवं प्रमुख ग्रन्थ न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (अनुमान खण्ड) एवं तर्कभाषा (प्रमेयनिरूपण) का अधिगम।
पाठ्यक्रम अधिगम के परिणाम	1. विद्यार्थी न्याय-वैशेषिक दर्शन की आचार्य परम्परा से परिचित हो सकेंगे। 2. विद्यार्थी भारतीय दर्शन शास्त्र की न्याय दर्शन परंपरा का परिचय प्राप्त कर सकेंगे। 3. विद्यार्थी न्याय दर्शन के सारभूत ग्रन्थ तर्कभाषा का अधिगम कर सकेंगे। 4. विद्यार्थी न्याय दर्शन के प्रौढ ग्रन्थ न्यायसिद्धान्तमुक्तावली का अध्ययन लाभ प्राप्त कर सकेंगे।

	5. विद्यार्थियों की न्याय दर्शन के अन्य ग्रन्थों को पढ़ने की ओर प्रवृत्ति हो सकेगी।
पाठ्यक्रम	1. विश्वनाथ पञ्चानन भट्टाचार्य प्रणीत न्यायसिद्धान्तमुक्तावली का अनुमान खण्ड 2. केशवमिश्र प्रणीत तर्कभाषा से प्रमेयनिरूपण 3. न्याय-वैशेषिक दर्शन की आचार्य परम्परा
पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	
प्रथम इकाई	न्यायसिद्धान्तमुक्तावली के अनुमान खण्ड में "व्यापारस्तु परामर्शः..." कारिका से "स पक्षस्तत्र वृत्तित्वज्ञानादनुमितिर्भवेत्॥70॥" कारिका तक (12 घण्टे)
द्वितीय इकाई	न्यायसिद्धान्तमुक्तावली के अनुमान खण्ड में "अनैकान्तो विरुद्धः..." कारिका से "यः साध्यवति नैवास्ति स विरुद्ध उदाहृतः॥74॥" कारिका तक (12 घण्टे)
तृतीय इकाई	न्यायसिद्धान्तमुक्तावली के अनुमान खण्ड में "आश्रयासिद्धिराद्या स्यात्..." कारिका से "उत्पत्तिकालीनघटे गन्धादिर्यत्र साध्यते॥78॥" कारिका तक (12 घण्टे)
चतुर्थ इकाई	तर्कभाषा से प्रमेयनिरूपण (12 घण्टे)
पंचम इकाई	न्याय-वैशेषिक दर्शन की आचार्य परम्परा के अंतर्गत निम्नलिखित आचार्यों का व्यक्तित्व एवं कृतित्व अध्ययनीय हैं - गौतम, कणाद, वात्स्यायन, प्रशस्तपाद, वाचस्पति मिश्र, जयन्तभट्ट, उदयनाचार्य, गंगेश उपाध्याय, केशवमिश्र तथा अन्नम्भट्ट। (12 घण्टे)
पाठ्यपुस्तकें	1. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली, व्याख्याकार लोकमणि दाहाल, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी 2. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली, व्याख्याकार राजाराम शुक्ल, संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी 3. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली - विश्वनाथ पञ्चानन भट्टाचार्य, व्याख्याकार कृष्णवल्लभाचार्य, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी

	4. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली - विश्वनाथ पञ्चानन भट्टाचार्य, व्याख्याकार गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी 5. तर्कभाषा - केशवमिश्र, (व्याख्याकार) आचार्य विश्वेश्वर सिद्धान्तशिरोमणि, चौखम्बा संस्कृत ऑफिस, वाराणसी, 2009 6. तर्कभाषा - केशवमिश्र (व्याख्याकार), आचार्य बदरीनाथ शुक्ल, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी, 1968 7. तर्कभाषा - केशवमिश्र, (व्याख्याकार) श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ, 1972
सन्दर्भ पुस्तकें	1. भारतीय दर्शन, बलदेव उपाध्याय, चौखम्भा ओरियन्टालिया, वाराणसी 2. भारतीय दर्शन, जगदीशचन्द्र मिश्र, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी 3. भारतीय दर्शन, चन्द्रधर शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली 4. भारतीय दर्शन की रूपरेखा, हरेंद्र प्रसाद सिन्हा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
ई संसाधन	epustakalay.com

एम.ए. संस्कृत तृतीय सेमेस्टर	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SAN9108T
पाठ्यक्रम क्रमांक	VI A
पाठ्यक्रम का नाम	प्राचीन भारतीय राजनीतिशास्त्र
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 6.5
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	4
पाठ्यक्रम का प्रकार	जी.ई.सी. (Generic Elective Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	40 व्याख्यान, 10 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 10 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व-योग्यता	स्नातक उत्तीर्ण
उद्देश्य	प्राचीन भारतीय राजनीतिशास्त्र के प्रमुख ग्रन्थ कौटिलीय अर्थशास्त्र (विनयाधिकारिक प्रकरण) एवं मनुस्मृति (सप्तम अध्याय) का अधिगम।
पाठ्यक्रम अधिगम के परिणाम	1. विद्यार्थी प्राचीन भारतीय राजनीतिशास्त्र के महान चिंतक कौटिल्य एवं मनु के विचारों से अवगत हो सकेंगे। 2. विद्यार्थी प्राचीन भारतीय राजनीतिशास्त्र का अध्ययन कर अर्वाचीन राजनीतिशास्त्रों से उनकी तुलना करने में समर्थ हो सकेंगे। 3. विद्यार्थी प्राचीन भारतीय राजनीतिशास्त्र की वर्तमान समय में उपयोगिता एवं महत्त्व को समझ सकेंगे।

पाठ्यक्रम	1. कौटिलीय अर्थशास्त्र का प्रथम अधिकरण : विनयाधिकारिक 2. मनुस्मृति का सातवाँ अध्याय
पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	
प्रथम इकाई	कौटिलीय अर्थशास्त्र के विनयाधिकारिक अधिकरण के प्रथम अध्याय (विद्यासमुद्देश) से षष्ठ अध्याय (राजर्षिवृत्त) तक (12 घण्टे)
द्वितीय इकाई	कौटिलीय अर्थशास्त्र के विनयाधिकारिक अधिकरण के सप्तम अध्याय (अमात्यनियुक्ति) से चतुर्दश अध्याय (मन्त्राधिकार) तक (12 घण्टे)
तृतीय इकाई	कौटिलीय अर्थशास्त्र के विनयाधिकारिक अधिकरण के पञ्चदश अध्याय (दूतप्रणिधि) से अन्तिम अध्याय (आत्मरक्षितक) तक (12 घण्टे)
चतुर्थ इकाई	मनुस्मृति सप्तम अध्याय श्लोक 1 से 113 (राष्ट्रस्य संग्रहे नित्यं...) तक (12 घण्टे)
पंचम इकाई	मनुस्मृति सप्तम अध्याय श्लोक 114 (द्वयोस्त्रयाणां पञ्चानां...) से अध्याय समाप्ति तक (12 घण्टे)
पाठ्यपुस्तकें	1. कौटिलीय अर्थशास्त्र, वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी 2. कौटिलीय अर्थशास्त्र, रूपनारायण त्रिपाठी, हंसा प्रकाशन, जयपुर 3. मनुस्मृति, (टीकाकार) हरगोविन्द शास्त्री, चौखंबा संस्कृत सीरीज ऑफिस, वाराणसी 4. मनुस्मृति, कुल्लूकभट्ट टीकासहित, (सं.) शिवराज आचार्य, विद्याभवन, वाराणसी 5. मनुस्मृति, कुल्लूकभट्ट टीकासहित, (सं.) हरगोविन्द शास्त्री, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली
सन्दर्भ पुस्तकें	1. Chaudhary, R.K. - Kautilya's Political Ideas and Institutions, Chaukhamba S. Series, Varanasi, 1971 2. Mehta, U. and Thakkar, U. Kautilya and His Arthašāstra, S. Chand Publication, Delhi, 1980

	3. Pushpendra Kumar - Kautilya's Arthašāstra: An Appraisal, Nag Publication, Delhi, 1981 4. धर्मशास्त्र का इतिहास, पी.वी. काणे, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ
ई संसाधन	epustakalay.com

एम.ए. संस्कृत तृतीय सेमेस्टर	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SAN9109T
पाठ्यक्रम क्रमांक	VI B
पाठ्यक्रम का नाम	पाण्डुलिपि विज्ञान एवं अभिलेखशास्त्र
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 6.5
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	4
पाठ्यक्रम का प्रकार	जी.ई.सी. (Generic Elective Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	40 व्याख्यान, 10 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 10 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व-योग्यता	स्नातक उत्तीर्ण
उद्देश्य	पाण्डुलिपि विज्ञान एवं अभिलेखशास्त्र का परिचयात्मक अधिगम
पाठ्यक्रम अधिगम के परिणाम	1. यह पाठ्यक्रम ऐसा मानव संसाधन निर्मित करने में सहायक होगा, जो भारत की बौद्धिक ज्ञान संपदा को भावी पीढ़ियों के लिए संरक्षित एवं प्रकाशित करने की दिशा में प्रयत्नशील तथा सामर्थ्य युक्त हो। 2. इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने वाले विद्यार्थी पाण्डुलिपि विज्ञान एवं अभिलेखशास्त्र का सारभूत परिचयात्मक ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। 3. विद्यार्थी पाण्डुलिपि ग्रंथ सम्पादन तथा समीक्षात्मक ग्रंथ सम्पादन करने की दिशा में अग्रसर हो सकेंगे।

पाठ्यक्रम	1. पाण्डुलिपि विज्ञान परिचय 2. भारत में लेखन कला एवं ब्राह्मी लिपि 3. पाठालोचन 4. अशोक के अभिलेख तथा अन्य प्रमुख मौर्योत्तरकालीन, गुप्तकालीन एवं गुप्तोत्तरकालीन अभिलेख
पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	
प्रथम इकाई	पाण्डुलिपि विज्ञान परिचय, पाण्डुलिपि विज्ञान की आवश्यकता एवं अध्ययन का महत्त्व, पाण्डुलिपि विज्ञान एवं अन्य सहायक विज्ञान, पाण्डुलिपियों के विविध प्रकार एवं उनकी विशेषताएँ (ताडपत्र, भूर्जपत्र, साँची-पत्र, तूलीपत्र, ताम्रपत्र, स्वर्णपत्र, रजतपत्र, पटलेख, मृतिकालेख, स्तम्भलेख, गुहालेख, शिलालेख, चर्मपत्रलेख इत्यादि) (12 घण्टे)
द्वितीय इकाई	भारत में लेखन कला की प्राचीनता, ब्राह्मी लिपि का इतिहास एवं उत्पत्ति के सिद्धांत, गुप्तकालीन तथा अशोककालीन ब्राह्मी लिपि (12 घण्टे)
तृतीय इकाई	पाठालोचन की परिभाषा, उद्देश्य, आवश्यकता एवं सम्भावना, पाठालोचन प्रणालियाँ तथा पाण्डुलिपि संपादन एवं पाठालोचन में संबन्ध। (12 घण्टे)
चतुर्थ इकाई	**अशोक के अभिलेख** - प्रमुख शिलालेख तथा प्रमुख स्तम्भलेख (12 घण्टे)
पंचम इकाई	**मौर्योत्तरकालीन अभिलेख** - कनिष्क के शासन वर्ष 3 का सारनाथ बौद्ध प्रतिमा लेख, रुद्रदामन् का गिरनार शिलालेख, खारवेल का हाथीगुम्फा अभिलेख **गुप्तकालीन एवं गुप्तोत्तरकालीन अभिलेख -** समुद्रगुप्त का इलाहाबाद स्तम्भलेख, यशोधर्मन् का मन्दसौर शिलालेख, हर्ष का बांसखेड़ा ताम्रपट्ट अभिलेख, पुलकेशिन् द्वितीय का ऐहोल शिलालेख (12 घण्टे)
पाठ्यपुस्तकें	1. उत्कीर्णलेखस्तबकः, जियालाल काम्बोज, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली 2. उत्कीर्णलेखसंग्रह, कैलाश चंद्र शर्मा एवं संगीता शर्मा, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर

	3. सम्राट अशोक के अभिलेख, विपश्यना विशोधन विन्यास, धम्मगिरि, इगतपुरी 4. प्राचीन भारतीय अभिलेख संग्रह, श्रीराम गोयल, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर 5. प्राचीन भारत के प्रमुख अभिलेख, परमेश्वरीलाल गुप्त, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी 6. प्राचीन भारतीय अभिलेख संग्रह, अवध किशोर नारायण एवं मणिशंकर शुक्ल, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी 7. अभिलेखमञ्जूषा, रणजीत सिंह सैनी, न्यू भारतीय बुक कॉरपोरेशन, दिल्ली
सन्दर्भ पुस्तकें	1. पाण्डुलिपि विज्ञान, सत्येन्द्र, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर 2. प्राचीन भारतीय लिपि माला, गौरी शंकर हीराचंद ओझा, अजमेर 3. अभिलेखलिपिशास्त्रम् पुरालिपिशास्त्रं भारतीयमभिलेखशास्त्रं कालक्रमपद्धतिश्च:, सुधाकर मिश्र, बनारस मर्केण्टाइल कम्पनी, कोलकाता 4. प्राचीन भारतीय लिपि एवं अभिलेख, गोपाल यादव, कला प्रकाशन 5. A Bibliography of paleography and manuscriptology, Shweta Prajapati, Bhartiya Kala Prakashan
ई संसाधन	epustakalay.com

एम.ए. संस्कृत चतुर्थ सेमेस्टर	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SAN9013T
पाठ्यक्रम क्रमांक	I
पाठ्यक्रम का नाम	वेदांग साहित्य
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 6.5
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	4
पाठ्यक्रम का प्रकार	डी.सी.सी. (Discipline Centric Core Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	40 व्याख्यान, 10 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 10 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व-योग्यता	स्नातक उत्तीर्ण
उद्देश्य	वेदांग साहित्य के प्रमुख ग्रंथ निरुक्त (प्रथम, द्वितीय एवं सप्तम अध्याय) का अधिगम।
पाठ्यक्रम अधिगम के परिणाम	1. विद्यार्थी वैदिक साहित्य में निरुक्त के महत्त्व एवं उपयोगिता को समझ सकेंगे। 2. विद्यार्थी वैदिक शब्दों के निर्वचन वैशिष्ट्य से परिचित हो सकेंगे। 3. विद्यार्थी वैदिक व्याकरण का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
पाठ्यक्रम	यास्क प्रणीत निरुक्त

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	
प्रथम इकाई	निरुक्त प्रथम अध्याय के प्रथम पाद से तृतीय पाद तक (12 घण्टे)
द्वितीय इकाई	निरुक्त प्रथम अध्याय के चतुर्थ पाद से षष्ठ पाद तक (12 घण्टे)
तृतीय इकाई	निरुक्त द्वितीय अध्याय के निम्नलिखित शब्दों की व्युत्पत्तियाँ - गौः, समुद्रः, आदित्यः, वृत्रः, उषाः, मेघः, वाक्, उदकम्, नदी, अश्वः (12 घण्टे)
चतुर्थ इकाई	निरुक्त सप्तम अध्याय के प्रथम पाद से तृतीय पाद तक (12 घण्टे)
पंचम इकाई	निरुक्त सप्तम अध्याय के चतुर्थ पाद से सप्तम पाद तक (12 घण्टे)
पाठ्यपुस्तक	1. निरुक्त यास्क, (व्याख्याकार) महामहोपाध्याय छज्जू राम शास्त्री, मेहरचंद लछमनदास पब्लिकेशंस, नई दिल्ली 2. निरुक्त यास्क, (सम्पादक) उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि', चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
सन्दर्भ पुस्तकें	1. Lakshaman Sarup - Nighantu &The Nirukta (with Eng. Trans.), MLBD, Delhi, 1967.
ई संसाधन	epustakalay.com

एम.ए. संस्कृत चतुर्थ सेमेस्टर	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SAN9110T
पाठ्यक्रम क्रमांक	II A
पाठ्यक्रम का नाम	साहित्यशास्त्र
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 6.5
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	4
पाठ्यक्रम का प्रकार	डी.एस.ई. (Discipline Specific Elective Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	40 व्याख्यान, 10 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 10 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व-योग्यता	स्नातक उत्तीर्ण
उद्देश्य	भारतीय काव्यशास्त्र परंपरा के प्रमुख ग्रंथ वक्रोक्तिजीवितम् (प्रथम उन्मेष) एवं प्रमुख छन्दों का अधिगम।
पाठ्यक्रम अधिगम के परिणाम	1. विद्यार्थी भारतीय काव्यशास्त्र परंपरा के अंतर्गत वक्रोक्ति संप्रदाय की नवीन दृष्टि से परिचित हो सकेंगे। 2. विद्यार्थी विभिन्न छन्दों में लिखे संस्कृत वाङ्मय के प्रसिद्ध छन्दों के लक्षणों एवं उदाहरणों का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। 3. विद्यार्थियों में कवित्व एवं सहृदयत्व भावना का विकास हो सकेगा।
पाठ्यक्रम	1. आचार्य कुन्तक विरचित वक्रोक्तिजीवितम् - प्रथम उन्मेष 2. छन्द परिचय

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	
प्रथम इकाई	वक्रोक्तिजीवितम् - प्रथम उन्मेष के प्रारम्भ से "शरीरं जीवितेनेव स्फुरितेनेव जीवितम्। विना निर्जीवतां येन वाक्यं याति विपश्चिताम्॥39॥" तक (12 घण्टे)
द्वितीय इकाई	वक्रोक्तिजीवितम् - प्रथम उन्मेष में "यस्मात्किमपि सौभाग्यं तद्विदामेव गोचरम्। सरस्वती समभ्येति तदिदानीं विचार्यते॥40॥" से "एवं कविव्यापारवक्रत्वषट्कमुद्देशमात्रेण व्याख्यातम्। विस्तरेण तु स्वलक्षणावसरे व्याख्यास्ते।" तक (12 घण्टे)
तृतीय इकाई	वक्रोक्तिजीवितम्- प्रथम उन्मेष में "वाच्यवाचकसौभाग्यलावण्यपरिपोषकः। व्यापारशाली वाक्यस्य विन्यासो बन्ध उच्यते॥22॥" से "श्रुतिपेशलताशालि सुस्पर्शमिव चेतसा। स्वभावमसृणच्छायमाभिजात्यं प्रचक्षते॥33॥" तक (12 घण्टे)
चतुर्थ इकाई	वक्रोक्तिजीवितम् - प्रथम उन्मेष में "प्रतिभाप्रथमोद्भेदसमये यत्र वक्रता। शब्दाभिधेययोरन्तस्फुरतीव विभाव्यते॥34॥" से प्रथम उन्मेष की समाप्ति तक (12 घण्टे)
पंचम इकाई	निम्नलिखित छन्दों का लक्षण एवं उदाहरण सहित अध्ययन अपेक्षित है- आर्या, अनुष्टुप्, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, वसन्ततिलका, उपजाति, वंशस्थ, द्रुतविलम्बित, शालिनी, मालिनी, शिखरिणी, मन्दाक्रान्ता, हरिणी, शार्दूलविक्रीडित तथा स्रग्धरा। (12 घण्टे)
पाठ्यपुस्तकें	1. वक्रोक्तिजीवितम्, (सं. एवं व्या.) रमाकान्त पाण्डेय, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर 2. छन्दोमञ्जरी, (व्या.) ब्रह्मानंद त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी 3. वृत्तरत्नाकर, (व्या.) ब्रह्मानंद त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
सन्दर्भ पुस्तकें	1. अलंकार शास्त्र में आचार्य कुन्तक की देन, हेमा आत्मनाथन्, संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी
ई संसाधन	epustakalay.com

एम.ए. संस्कृत चतुर्थ सेमेस्टर	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SAN9111T
पाठ्यक्रम क्रमांक	II B
पाठ्यक्रम का नाम	उपनिषद् दर्शन
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 6.5
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	4
पाठ्यक्रम का प्रकार	डी.एस.ई. (Discipline Specific Elective Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	40 व्याख्यान, 10 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 10 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व-योग्यता	स्नातक उत्तीर्ण
उद्देश्य	वैदिक एवं उपनिषद् दर्शन के परिचय के साथ उपनिषद् दर्शन की प्रमुख उपनिषद् श्वेताश्वतरोपनिषद् का अधिगम।
पाठ्यक्रम अधिगम के परिणाम	1. विद्यार्थी विश्व की प्राचीनतम वैदिक दर्शन परंपरा से परिचित हो सकेंगे। 2. विद्यार्थियों की वैदिक एवं औपनिषदिक दर्शन की ओर अभिवृत्ति हो सकेगी। 3. विद्यार्थी श्वेताश्वतर उपनिषद् का अध्ययन लाभ प्राप्त कर सकेंगे। 4. विद्यार्थियों की अन्य उपनिषदों के अध्ययन की ओर प्रवृत्ति हो सकेगी।

पाठ्यक्रम	1. श्वेताश्वतर उपनिषद् 2. वैदिक एवं उपनिषद् दर्शन का परिचय
पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	
प्रथम इकाई	श्वेताश्वतर उपनिषद् - प्रथम एवं द्वितीय अध्याय (12 घण्टे)
द्वितीय इकाई	श्वेताश्वतर उपनिषद् - तृतीय अध्याय (12 घण्टे)
तृतीय इकाई	श्वेताश्वतर उपनिषद् - चतुर्थ एवं पञ्चम अध्याय (12 घण्टे)
चतुर्थ इकाई	श्वेताश्वतर उपनिषद् - षष्ठ अध्याय (12 घण्टे)
पंचम इकाई	वैदिक एवं उपनिषद् दर्शन का परिचय - वेदों एवं उपनिषदों में दार्शनिक चिन्तन, ऋत का सिद्धान्त, आत्मतत्त्व, ब्रह्मतत्त्व, माया या अविद्या तथा मोक्ष। (12 घण्टे)
पाठ्यपुस्तकें	1. श्वेताश्वतरोपनिषद्, गीताप्रेस, गोरखपुर 2. श्वेताश्वतरोपनिषद्, व्याख्याकार राकेश शास्त्री, चौखंभा ओरियन्टालिया, वाराणसी
सन्दर्भ पुस्तकें	1. भारतीय दर्शन, बलदेव उपाध्याय, चौखम्भा ओरियन्टालिया, वाराणसी 2. भारतीय दर्शन, जगदीशचन्द्र मिश्र, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी 3. भारतीय दर्शन, चन्द्रधर शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली 4. भारतीय दर्शन की रूपरेखा, हरेंद्र प्रसाद सिन्हा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
ई संसाधन	epustakalay.com

एम.ए. संस्कृत चतुर्थ सेमेस्टर	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SAN9112T
पाठ्यक्रम क्रमांक	III A
पाठ्यक्रम का नाम	काव्यशास्त्र एवं गद्यकाव्य
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 6.5
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	4
पाठ्यक्रम का प्रकार	डी.एस.ई. (Discipline Specific Elective Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	40 व्याख्यान, 10 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 10 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व-योग्यता	स्नातक उत्तीर्ण
उद्देश्य	भारतीय काव्यशास्त्र परंपरा के प्रमुख ग्रंथ काव्यप्रकाश (पञ्चम, सप्तम एवं अष्टम उल्लास) एवं संस्कृत गद्यकाव्यों के परिचय के साथ शुकनासोपदेश का अधिगम।
पाठ्यक्रम अधिगम के परिणाम	1. विद्यार्थी काव्यशास्त्र के गुणीभूतव्यङ्ग्य काव्य, व्यञ्जना, गुण, रसदोष आदि सिद्धांतों का उदाहरण सहित समुचित ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। 2. विद्यार्थी संस्कृत की गौरवशाली गद्य काव्य परंपरा से परिचित हो सकेंगे। 3. शुकनासोपदेश गद्यकाव्य पठन के माध्यम से विद्यार्थियों में आत्म सदाचार और नीतिज्ञान विकसित हो सकेगा।

पाठ्यक्रम	1. आचार्य मम्मट विरचित काव्यप्रकाश - पञ्चम, सप्तम एवं अष्टम उल्लास 2. महाकवि बाणभट्ट कृत शुकनासोपदेश 3. संस्कृत गद्यकाव्य परिचय
पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	
प्रथम इकाई	काव्यप्रकाश का पञ्चम उल्लास (12 घण्टे)
द्वितीय इकाई	काव्यप्रकाश का सप्तम उल्लास (12 घण्टे)
तृतीय इकाई	काव्यप्रकाश का अष्टम उल्लास (12 घण्टे)
चतुर्थ इकाई	महाकवि बाणभट्ट कृत शुकनासोपदेश (12 घण्टे)
पंचम इकाई	संस्कृत गद्य की परम्परा, गद्य का लक्षण एवं प्रकार, गद्यकाव्य का लक्षण एवं भेद तथा निम्नलिखित संस्कृत गद्यकाव्यों का सामान्य परिचय अपेक्षित है- दशकुमारचरितम्, वासवदत्ता, हर्षचरितम्, कादम्बरी तथा शिवराजविजयम्। (12 घण्टे)
पाठ्यपुस्तकें	1. काव्यप्रकाश - मम्मट, (व्या.) आचार्य विश्वेश्वर, ज्ञानमण्डललिमिटेड, वाराणसी 2. काव्यप्रकाश - मम्मट, बालबोधिनी टीका (झलकीकर), पूना संस्करण 3. काव्यप्रकाश - मम्मट, (व्या.) पारसनाथ द्विवेदी, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा, 1986. 4. काव्यप्रकाश - मम्मट, (व्या.) श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ 5. शुकनासोपदेश - महाकवि बाणभट्ट, (सम्पादक) माणिक्य लाल शास्त्री एवं संतोष कुमार शर्मा, हंसा प्रकाशन, जयपुर 6. शुकनासोपदेश - महाकवि बाणभट्ट, नवीन कुमार झा एवं अञ्जना, जे.पी. पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली 7. शुकनासोपदेश - महाकवि बाणभट्ट, (व्याख्याकार) रामपाल शास्त्री, चौखम्भा पब्लिशर्स, वाराणसी 8. साहित्यदर्पण, व्याख्याकार शेषराजशर्मा रेग्मी, चौखम्बा कृष्णदास अकादमी, वाराणसी

	9. साहित्यदर्पण, व्याख्याकार सत्यव्रत सिंह, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
सन्दर्भ पुस्तकें	1. संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखंबा भारती अकादमी, वाराणसी 2. संस्कृत साहित्य का इतिहास, बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन, वाराणसी 3. संस्कृतसुकविसमीक्षा, बलदेव उपाध्याय, चौखम्भा विद्याभवन प्रकाशन, वाराणसी 4. संस्कृत साहित्य का समग्र इतिहास, राधावल्लभ त्रिपाठी, न्यू भारतीय बुक कॉरपोरेशन, दिल्ली 5. संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास, बलदेव उपाध्याय; राधावल्लभ त्रिपाठी, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ
ई संसाधन	epustakalay.com

एम.ए. संस्कृत चतुर्थ सेमेस्टर	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SAN9113T
पाठ्यक्रम क्रमांक	III B
पाठ्यक्रम का नाम	मीमांसा दर्शन
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 6.5
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	4
पाठ्यक्रम का प्रकार	डी.एस.ई. (Discipline Specific Elective Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	40 व्याख्यान, 10 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 10 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व-योग्यता	स्नातक उत्तीर्ण
उद्देश्य	मीमांसा दर्शन परम्परा के प्रमुख आचार्यों का परिचय ज्ञान एवं प्रमुख ग्रन्थ अर्थसंग्रह का अधिगम।
पाठ्यक्रम अधिगम के परिणाम	1. विद्यार्थी भारतीय दर्शनशास्त्र की मीमांसा दर्शन परंपरा का एवं उसके प्रमुख आचार्यों का परिचय प्राप्त कर सकेंगे। 2. विद्यार्थी मीमांसा दर्शन परंपरा के सारभूत ग्रंथ अर्थसंग्रह का अधिगम कर सकेंगे। 3. विद्यार्थियों की मीमांसा दर्शन परंपरा के प्रौढ ग्रन्थों के अध्ययन की ओर प्रगति एवं प्रवृत्ति हो सकेगी।
पाठ्यक्रम	1. लौगाक्षिभास्कर प्रणीत अर्थसंग्रह 2. मीमांसा दर्शन की आचार्य परम्परा

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	
प्रथम इकाई	अर्थसंग्रह - उपोद्घात विभाग (12 घण्टे)
द्वितीय इकाई	अर्थसंग्रह - विधि विभाग (12 घण्टे)
तृतीय इकाई	अर्थसंग्रह - मन्त्र एवं नामधेय विभाग (12 घण्टे)
चतुर्थ इकाई	अर्थसंग्रह - निषेध एवं अर्थवाद विभाग (12 घण्टे)
पंचम इकाई	मीमांसा दर्शन की आचार्य परम्परा के अंतर्गत निम्नलिखित आचार्यों का व्यक्तित्व एवं कृतित्व अध्ययनीय हैं - जैमिनि, शबरस्वामी, कुमारिल भट्ट, मण्डन मिश्र, माधवाचार्य, प्रभाकर मिश्र तथा मुरारि मिश्र। (12 घण्टे)
पाठ्यपुस्तकें	1. अर्थसंग्रह- लौगाक्षिभास्कर, (हिन्दीव्याख्याकार) कामेश्वरनाथमिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 1983 2. अर्थसंग्रह - लौगाक्षिभास्कर, (हिन्दीव्याख्याकार) दयाशंकर शास्त्री, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी। 3. अर्थसंग्रह - लौगाक्षिभास्कर, (हिन्दीव्याख्याकार) वाचस्पति उपाध्याय, चौखम्बा ओरियन्टालिया, वाराणसी, 1977 4. अर्थसंग्रह लौगाक्षिभास्कर, (हिन्दीव्याख्याकार) राजेश्वर शास्त्री मुसलगाँवकर, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी, तृतीय (संशोधित व परिवर्धित संस्करण), 2019
सन्दर्भ पुस्तकें	1. भारतीय दर्शन, बलदेव उपाध्याय, चौखम्भा ओरियन्टालिया, वाराणसी 2. भारतीय दर्शन, जगदीशचन्द्र मिश्र, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी 3. भारतीय दर्शन, चन्द्रधर शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली 4. भारतीय दर्शन की रूपरेखा, हरेंद्र प्रसाद सिन्हा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
ई संसाधन	epustakalay.com

एम.ए. संस्कृत चतुर्थ सेमेस्टर	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SAN9114T
पाठ्यक्रम क्रमांक	IV A
पाठ्यक्रम का नाम	नाट्यशास्त्र एवं नाटक
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 6.5
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	4
पाठ्यक्रम का प्रकार	डी.एस.ई. (Discipline Specific Elective Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	40 व्याख्यान, 10 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 10 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व-योग्यता	स्नातक उत्तीर्ण
उद्देश्य	भारतीय नाट्यशास्त्र परंपरा के प्रमुख ग्रंथ नाट्यशास्त्र के द्वितीय अध्याय एवं महाकवि भवभूति विरचित उत्तररामचरित नाटक (चतुर्थ से सप्तम अंक तक) का अधिगम।
पाठ्यक्रम अधिगम के परिणाम	1. विद्यार्थी नाटकोपयोगी नाट्यमण्डपों एवं उनके प्राचीन रचना विधानों से अवगत हो सकेंगे। 2. विद्यार्थी महाकवि भवभूति की नाट्यकला से परिचित हो सकेंगे। 3. विद्यार्थियों की अन्य संस्कृत रूपक साहित्य की ओर प्रवृत्ति हो सकेगी। 4. विद्यार्थियों का संस्कृत भाषा का प्रायोगिक एवं व्यावहारिक पक्ष मजबूत हो सकेगा।

पाठ्यक्रम	1. भरतमुनि विरचित नाट्यशास्त्र - द्वितीय अध्याय 2. महाकवि भवभूति विरचित उत्तररामचरित - चतुर्थ से सप्तम अंक तक
पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	
प्रथम इकाई	नाट्यशास्त्र का द्वितीय अध्याय (12 घण्टे)
द्वितीय इकाई	उत्तररामचरित - चतुर्थ अंक (12 घण्टे)
तृतीय इकाई	उत्तररामचरित - पंचम अंक (12 घण्टे)
चतुर्थ इकाई	उत्तररामचरित - षष्ठ अंक (12 घण्टे)
पंचम इकाई	उत्तररामचरित - सप्तम अंक, भवभूति का व्यक्तित्व एवं कृतित्व, भवभूति की नाट्यकला, भवभूति और करुण रस तथा उत्तररामचरित के पात्रों का चरित्र चित्रण (12 घण्टे)
पाठ्यपुस्तकें	1. उत्तररामचरितम्, (व्या.) शिवबालक द्विवेदी, हंसा प्रकाशन, जयपुर 2. उत्तररामचरितम्, (व्या.) रमाशंकर त्रिपाठी, चौखंबा कृष्णदास अकादमी, वाराणसी 3. उत्तररामचरितम्, (व्या.) आनन्दस्वरूप, सं. जनार्दन शास्त्री पाण्डेय, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली 4. उत्तररामचरितम् - राम अवध पाण्डेय एवं रविनाथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी 5. उत्तररामचरितम् - रमाकान्त त्रिपाठी, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 1993 6. उत्तररामचरितम् - रामाधार शर्मा, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली, 2005 7. नाट्यशास्त्र, (व्याख्याकार) ब्रजमोहन चतुर्वेदी, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली 8. नाट्यशास्त्र, (सम्पादक) बाबूलाल शुक्ल, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी 9. नाट्यशास्त्र, (सम्पादक) बटुकनाथ शर्मा एवं पं. बलदेव उपाध्याय, काशी संस्कृत सीरीज, वाराणसी

सन्दर्भ पुस्तकें	1. भवभूति के नाटक, ब्रजवल्लभ शर्मा, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल, 1973 2. भवभूति और उनका उत्तररामचरितम्, रामाश्रय शर्मा, परिमल पब्लिकेशन्स, दिल्ली, 1997 3. भवभूति और उसकी नाट्यकला, अयोध्याप्रसाद सिंह, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1969
ई संसाधन	epustakalay.com

एम.ए. संस्कृत चतुर्थ सेमेस्टर	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SAN9115T
पाठ्यक्रम क्रमांक	IV B
पाठ्यक्रम का नाम	अद्वैत वेदान्त दर्शन
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 6.5
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	4
पाठ्यक्रम का प्रकार	डी.एस.ई. (Discipline Specific Elective Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	40 व्याख्यान, 10 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 10 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व-योग्यता	स्नातक उत्तीर्ण
उद्देश्य	वेदांत दर्शन परंपरा के प्रमुख आचार्यों का परिचय ज्ञान एवं प्रमुख ग्रन्थ ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य (प्रथम अध्याय का प्रथम पाद) का अधिगम।
पाठ्यक्रम अधिगम के परिणाम	1. विद्यार्थी वेदांत दर्शन के प्रमुख आचार्यों का परिचय प्राप्त कर सकेंगे। 2. विद्यार्थियों में अद्वैत वेदांत दर्शन की समझ विकसित हो सकेगी। 3. विद्यार्थी अद्वैत वेदांत दर्शन के आधारभूत ग्रंथ ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य का अध्ययन लाभ प्राप्त कर सकेंगे
पाठ्यक्रम	1. ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य - प्रथम अध्याय का प्रथम पाद 2. वेदान्त दर्शन की आचार्य परम्परा

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	
प्रथम इकाई	ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य - अध्यास से लेकर जिज्ञासाधिकरण पर्यन्त (12 घण्टे)
द्वितीय इकाई	ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य - जन्माद्यधिकरण से लेकर समन्वयाधिकरण पर्यन्त (12 घण्टे)
तृतीय इकाई	ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य - ईक्षत्यधिकरण से लेकर आकाशाधिकरण पर्यन्त (12 घण्टे)
चतुर्थ इकाई	ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य - प्राणाधिकरण से लेकर प्रतर्दनाधिकरण पर्यन्त (12 घण्टे)
पंचम इकाई	वेदान्तदर्शन की आचार्य परम्परा के अंतर्गत निम्नलिखित आचार्यों का व्यक्तित्व एवं कृतित्व अध्ययनीय हैं - महर्षि बादरायण, आचार्य गौडपाद, शंकराचार्य, रामानुजाचार्य, मध्वाचार्य, निम्बार्काचार्य, वल्लभाचार्य व विज्ञानभिक्षु (12 घण्टे)
पाठ्यपुस्तकें	1. ब्रह्मसूत्रशांकरभाष्य - (व्याख्याकार) कामेश्वरमिश्र, चौखम्बा संस्कृत सिरीज ऑफिस, वाराणसी, 1976 2. ब्रह्मसूत्रशांकरभाष्य - भामती टीका अनुवाद सहित, (सम्पादक) स्वामी योगीन्द्रानन्द, षड्दर्शनप्रकाशन, वाराणसी, 1982 3. ब्रह्मसूत्रशांकरभाष्य - सत्यानन्दीदीपिकासहित, (व्याख्याकार) स्वामी सत्यानन्दसरस्वती, गोविन्दमठ, वाराणसी, 1978 4. ब्रह्मसूत्रशांकरभाष्य, (व्याख्याकार) स्वामी हनुमान् जी षड्शास्त्री, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 1964
सन्दर्भ पुस्तकें	1. भारतीय दर्शन, बलदेव उपाध्याय, चौखम्भा ओरियन्टालिया, वाराणसी 2. भारतीय दर्शन, जगदीशचन्द्र मिश्र, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी 3. भारतीय दर्शन, चन्द्रधर शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
ई संसाधन	epustakalay.com

एम.ए. संस्कृत चतुर्थ सेमेस्टर	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SAN9116T
पाठ्यक्रम क्रमांक	V A
पाठ्यक्रम का नाम	दशरूपक एवं नाटिका
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 6.5
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	4
पाठ्यक्रम का प्रकार	डी.एस.ई. (Discipline Specific Elective Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	40 व्याख्यान, 10 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 10 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व-योग्यता	स्नातक उत्तीर्ण
उद्देश्य	भारतीय नाट्यशास्त्र परंपरा के प्रमुख ग्रंथ दशरूपक (तृतीय प्रकाश) एवं कवि हर्षवर्धन विरचित रत्नावली नाटिका का अधिगम।
पाठ्यक्रम अधिगम के परिणाम	1. विद्यार्थी दशरूपक ग्रंथ के अनुसार दश रूपकों की विशेषताओं का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। 2. विद्यार्थी कवि हर्षवर्धन की नाट्यकला से परिचित हो सकेंगे। 3. विद्यार्थी रत्नावली नाटिका का रसास्वादन कर सकेंगे। 4. विद्यार्थियों की प्रायोगिक संस्कृत भाषा दक्षता में अभिवृद्धि हो सकेगी।
पाठ्यक्रम	1. आचार्य धनञ्जय विरचित दशरूपक - तृतीय प्रकाश 2. कवि हर्षवर्धन विरचित रत्नावली नाटिका

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	
प्रथम इकाई	दशरूपक के तृतीय प्रकाश के प्रारम्भ से "प्रस्तावनान्ते निर्गच्छेत्ततो वस्तु प्रपञ्चयेत्।" तक (12 घण्टे)
द्वितीय इकाई	दशरूपक के तृतीय प्रकाश में "अभिगम्यगुणैर्युक्तो धीरोदात्तः प्रतापवान्।" से "कैशिक्यङ्गैश्चतुर्भिश्च युक्ताङ्कैरिव नाटिका" तक (12 घण्टे)
तृतीय इकाई	दशरूपक के तृतीय प्रकाश में "भाणस्तु धूर्तचरितं स्वानुभूतं परेण वा।" से तृतीय प्रकाश की समाप्ति तक (12 घण्टे)
चतुर्थ इकाई	रत्नावली नाटिका का प्रथम एवं द्वितीय अंक तथा कवि हर्षवर्धन के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का सामान्य परिचय (12 घण्टे)
पंचम इकाई	रत्नावली नाटिका का तृतीय एवं चतुर्थ अंक तथा रत्नावली नाटिका के प्रमुख पात्रों का चरित्र चित्रण (12 घण्टे)
पाठ्यपुस्तकें	1. दशरूपक, (सम्पादक) श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ। 2. दशरूपक, (सम्पादक) लोकमणि दाहाल, चौखम्बा अमरभारती प्रकाशन, वाराणसी। 3. रत्नावली नाटिका, (व्याख्याकार) परमेश्वरदीन पाण्डेय, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी 4. रत्नावली नाटिका, (व्याख्याकार) श्रीरामचन्द्र मिश्र, चौखंबा अमरभारती प्रकाशन, वाराणसी
सन्दर्भ पुस्तकें	1. संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखंबा भारती अकादमी, वाराणसी 2. संस्कृत साहित्य का इतिहास, बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन, वाराणसी 3. संस्कृतसुकविसमीक्षा, बलदेव उपाध्याय, चौखम्भाविद्याभवन, वाराणसी 4. संस्कृत साहित्य का समग्र इतिहास, राधावल्लभ त्रिपाठी, न्यू भारतीय बुक कॉरपोरेशन, दिल्ली

	5. संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास, बलदेव उपाध्याय; राधावल्लभ त्रिपाठी, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ
ई संसाधन	epustakalay.com

एम.ए. संस्कृत चतुर्थ सेमेस्टर	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SAN9117T
पाठ्यक्रम क्रमांक	V B
पाठ्यक्रम का नाम	बौद्ध दर्शन
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 6.5
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	4
पाठ्यक्रम का प्रकार	डी.एस.ई. (Discipline Specific Elective Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	40 व्याख्यान, 10 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 10 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व-योग्यता	स्नातक उत्तीर्ण
उद्देश्य	बौद्ध दर्शन परंपरा के प्रमुख आचार्यों का परिचय ज्ञान एवं सर्वदर्शनसंग्रह ग्रन्थ से बौद्ध दर्शन के सिद्धान्तों का अधिगम।
पाठ्यक्रम अधिगम के परिणाम	1. विद्यार्थी भारतीय दर्शनशास्त्र की बौद्ध दर्शन परंपरा का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। 2. विद्यार्थी बौद्ध दर्शन के प्रमुख आचार्यों का परिचय प्राप्त कर सकेंगे। 3. माधवाचार्य कृत सर्वदर्शनसंग्रह के माध्यम से विद्यार्थी बौद्ध दर्शन को साररूप से समझ सकेंगे।
पाठ्यक्रम	1. माधवाचार्य कृत सर्वदर्शनसंग्रह - बौद्ध दर्शन 2. बौद्ध दर्शन की आचार्य परम्परा
पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	

प्रथम इकाई	सर्वदर्शनसंग्रह में बौद्ध दर्शन विभाग के प्रारम्भ से "पराक्रान्तं चात्र सूरिभिरिति ग्रन्थभूयस्त्वभयादुपरम्यते" तक (12 घण्टे)
द्वितीय इकाई	सर्वदर्शनसंग्रह के बौद्ध दर्शन विभाग में "ते च बौद्धाश्चतुर्विधया भावनया परमपुरुषार्थं कथयन्ति।" से "करोति चायमतीतानागतकाले तत्कालवर्तिन्यावर्थक्रिये भाव इति प्रसङ्गव्यत्ययो विपर्ययः।" तक (12 घण्टे)
तृतीय इकाई	सर्वदर्शनसंग्रह के बौद्ध दर्शन विभाग में "तस्माद्विपक्षे क्रमयौगपद्यव्यावृत्त्या व्यापकानुलम्भेन..." से "तस्मात्प्रमेयाधिगतेः प्रमाणं मेयरूपता॥ इति॥" तक (12 घण्टे)
चतुर्थ इकाई	सर्वदर्शनसंग्रह के बौद्ध दर्शन विभाग में "न हि वित्तिसत्तैव तद्वेदना युक्ता।" से "सङ्घो रक्ताम्बरत्वं च शिश्रिये बौद्धभिक्षुभिः॥" तक (12 घण्टे)
पंचम इकाई	बौद्ध दर्शन की आचार्य परम्परा के अंतर्गत निम्नलिखित आचार्यों का व्यक्तित्व एवं कृतित्व अध्ययनीय हैं - गौतम बुद्ध, अश्वघोष, नागार्जुन, दिङ्नाग, वसुबन्धु, धर्मकीर्ति तथा स्थविर बुद्धपालित (12 घण्टे)
पाठ्यपुस्तकें	1. सर्वदर्शनसंग्रह - माधवाचार्य, भाष्यकार उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी 2. सर्वदर्शनसंग्रह (चार्वाक, बौद्ध, जैन दर्शन) - माधवाचार्य, व्याख्याकार माधव जनार्दन रटाटे, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली
सन्दर्भ पुस्तकें	1. भारतीय दर्शन, बलदेव उपाध्याय, चौखम्भा ओरियन्टालिया, वाराणसी 2. भारतीय दर्शन, जगदीशचन्द्र मिश्र, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी 3. भारतीय दर्शन, चन्द्रधर शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली 4. भारतीय दर्शन की रूपरेखा, हरेंद्र प्रसाद सिन्हा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
ई संसाधन	epustakalay.com

एम.ए. संस्कृत चतुर्थ सेमेस्टर	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SAN9118T
पाठ्यक्रम क्रमांक	VI A
पाठ्यक्रम का नाम	काव्यशास्त्र एवं महाकाव्य
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 6.5
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	4
पाठ्यक्रम का प्रकार	डी.एस.ई. (Discipline Specific Elective Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	40 व्याख्यान, 10 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 10 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व-योग्यता	स्नातक उत्तीर्ण
उद्देश्य	भारतीय काव्यशास्त्र परंपरा के ध्वनि संप्रदाय के प्रमुख ग्रंथ ध्वन्यालोक (प्रथम उद्योत) एवं महाकवि कालिदास विरचित रघुवंश महाकाव्य (प्रथम सर्ग) का अधिगम।
पाठ्यक्रम अधिगम के परिणाम	1. विद्यार्थी भारतीय काव्यशास्त्र परंपरा के प्रमुख ध्वनि संप्रदाय के आधारभूत ग्रंथ ध्वन्यालोक का अध्ययन कर सकेंगे। 2. विद्यार्थी महाकवि कालिदास के काव्य कौशल से परिचित हो सकेंगे। 3. विद्यार्थी महाकवि कालिदास के विश्वप्रसिद्ध महाकाव्य रघुवंश के प्रथम सर्ग का रसास्वादन कर सकेंगे। 4. विद्यार्थियों में सद्गुणों का विकास हो सकेगा।

पाठ्यक्रम	1. आनन्दवर्धनाचार्य विरचित ध्वन्यालोक - प्रथम उद्योत 2. महाकवि कालिदास विरचित रघुवंश महाकाव्य - प्रथम सर्ग
पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	
प्रथम इकाई	ध्वन्यालोक - प्रथम उद्योत के प्रारम्भ से 12वीं कारिका तक (12 घण्टे)
द्वितीय इकाई	ध्वन्यालोक - प्रथम उद्योत में 13वीं कारिका से प्रथम उद्योत की समाप्ति तक (12 घण्टे)
तृतीय इकाई	रघुवंश महाकाव्य - प्रथम सर्ग के प्रारम्भ से श्लोक 53 तक (12 घण्टे)
चतुर्थ इकाई	रघुवंश महाकाव्य - प्रथम सर्ग में श्लोक 54 से प्रथम सर्ग की समाप्ति तक (12 घण्टे)
पंचम इकाई	महाकाव्यों का उद्भव, महाकाव्य का लक्षण, महाकवि कालिदास एवं उनकी रचनाओं का परिचय तथा महाकवि कालिदास का काव्यगत वैशिष्ट्य (12 घण्टे)
पाठ्यपुस्तकें	1. ध्वन्यालोक (लोचन टीकासहित), व्याख्याकार जगन्नाथपाठक, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी 2. ध्वन्यालोक, व्याख्याकार आचार्य विश्वेश्वर, ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी 3. ध्वन्यालोक, व्याख्याकार रामसागर त्रिपाठी, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली 4. रघुवंश (प्रथम सर्ग), व्याख्याकार प्रेमराज त्रिपाठी, हंसा प्रकाशन, जयपुर 5. रघुवंश, व्याख्याकार कृष्णमणि त्रिपाठी, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
सन्दर्भ पुस्तकें	1. संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखंबा भारती अकादमी, वाराणसी 2. संस्कृत साहित्य का इतिहास, बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन, वाराणसी

	3. संस्कृतसुकविसमीक्षा, बलदेव उपाध्याय, चौखम्भाविद्याभवन, वाराणसी 4. संस्कृत साहित्य का समग्र इतिहास, राधावल्लभ त्रिपाठी, न्यू भारतीय बुक कॉरपोरेशन, दिल्ली 5. संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास, बलदेव उपाध्याय; राधावल्लभ त्रिपाठी, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ
ई संसाधन	epustakalay.com

एम.ए. संस्कृत चतुर्थ सेमेस्टर	
पाठ्यक्रम कूट संख्या	SAN9119T
पाठ्यक्रम क्रमांक	VI B
पाठ्यक्रम का नाम	जैन दर्शन
पाठ्यक्रम का योग्यता स्तर	एन.एच.ई.क्यू.एफ. स्तर 6.5
पाठ्यक्रम की क्रेडिट	4
पाठ्यक्रम का प्रकार	डी.एस.ई. (Discipline Specific Elective Course)
पाठ्यक्रम का पाठन प्रकार	40 व्याख्यान, 10 रचनात्मक एवं नैदानिक मूल्यांकन और 10 ट्यूटोरियल
पाठ्यक्रम पठन की पूर्व-योग्यता	स्नातक उत्तीर्ण
उद्देश्य	जैन दर्शन परंपरा के प्रमुख आचार्यों का परिचय ज्ञान एवं सर्वदर्शनसंग्रह ग्रन्थ से जैन दर्शन के प्रमुख सिद्धांतों का अधिगम।
पाठ्यक्रम अधिगम के परिणाम	1. भारतीय दर्शनशास्त्र की जैन दर्शन परंपरा का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। 2. विद्यार्थी जैन दर्शन के प्रमुख आचार्यों का परिचय प्राप्त कर सकेंगे। 3. माधवाचार्य कृत सर्वदर्शनसंग्रह के माध्यम से विद्यार्थी जैन दर्शन को साररूप से समझ सकेंगे।
पाठ्यक्रम	1. माधवाचार्य कृत सर्वदर्शनसंग्रह - आर्हत दर्शन (जैन दर्शन) 2. जैन दर्शन की आचार्य परम्परा
पाठ्यक्रम की इकाइयाँ	

प्रथम इकाई	सर्वदर्शनसंग्रह में आर्हत दर्शन विभाग के प्रारम्भ से "...प्रमेयकमलमार्तण्डादौ प्रबन्धे प्रपञ्चितमिति ग्रन्थभूयस्त्वभयान्नोपन्यस्तम्।" तक (12 घण्टे)
द्वितीय इकाई	सर्वदर्शनसंग्रह के आर्हत दर्शन विभाग में "तस्मात्पुरुषार्थाभिलाषुकैः पुरुषैः सौगती..." से "आगमसर्वज्ञपरम्परया बीजांकुरवदनादित्वाङ्गीकारादित्यलम्।" तक (12 घण्टे)
तृतीय इकाई	सर्वदर्शनसंग्रह के आर्हत दर्शन विभाग में "रत्नत्रयपदवेदनीयतया प्रसिद्धं..." से "...कर्मभावयोग्यान्पुद्गलानादत्ते स बन्धः (त. सू. ८/२) इति।" तक (12 घण्टे)
चतुर्थ इकाई	सर्वदर्शनसंग्रह के आर्हत दर्शन विभाग में "तत्र कषायग्रहणं सर्वबन्धहेतूपलक्षणार्थम्।" से "प्राहुरेषामयं भेदो महाञ्श्वेताम्बरैः सह॥ इति॥" तक (12 घण्टे)
पंचम इकाई	जैन दर्शन की आचार्य परम्परा के अंतर्गत निम्नलिखित आचार्यों का व्यक्तित्व एवं कृतित्व अध्ययनीय हैं - पार्श्वनाथ, वर्धमान महावीर, भद्रबाहु, उमास्वाती, आचार्य कुन्दकुन्द, समन्तभद्र, वादिराज सूरि व हेमचन्द्र (12 घण्टे)
पाठ्यपुस्तकें	1. सर्वदर्शनसंग्रह - माधवाचार्य, भाष्यकार उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी 2. सर्वदर्शनसंग्रह (चार्वाक, बौद्ध, जैन दर्शन) - माधवाचार्य, व्या. माधव जनार्दन रटाटे, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली
सन्दर्भ पुस्तकें	1. भारतीय दर्शन, बलदेव उपाध्याय, चौखम्भा ओरियन्टालिया, वाराणसी 2. भारतीय दर्शन, जगदीशचन्द्र मिश्र, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी 3. भारतीय दर्शन, चन्द्रधर शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली 4. भारतीय दर्शन की रूपरेखा, हरेंद्र प्रसाद सिन्हा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
ई संसाधन	epustakalay.com